AARSH BOOKS

Active English

Teacher's Resource Book

Class 7

1. Virtue

हिन्दी अनुवाद

मधुर दिवस, इतना शीतल, इतना शान्त, इतना उज्ज्वल,
(तू) पृथ्वी और आकाश का (दुल्हन) मिलन:
आज की रात तेरे पतन पर ओस आँसू बहायेगी,
क्योंकि तुझे मरना ही है।
हे मधुर गुलाब, जिसकी छवि सुर्ख और सुहावनी है
टकटकी लगाने वाले की आँख रगड़वाती है :
(परन्तु) जड़ सदैव ही अपनी कब्र में है,
और तुझे मरना ही है।
मधुर वसन्त, सुन्दर दिनों और गुलाबों से भरपूर,
एक (ऐसा) सन्दूक जहाँ रखी हैं सुगन्धित वनस्पतियाँ,
मेरा संगीत तुझे तेरा अन्त दिखाता है,
(और) सभी को मरना ही है।
केवल सज्जन और सदाचारी जीवात्मा,
कठोर लट्ठे के समान, कभी नष्ट नहीं होती है;
परन्तु हालांकि सारा संसार (जलकर) कोयला बन जाये
तू सर्वोपरि जीती है।

—जॉर्ज हरबर्ट

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (c).

II. Answer the following questions :

1. The poet calls the sweet day as the bridal of the earth and sky because it comes between both of them and also joins them.

2. The dew weeps on its end because as soon as it is morning, its short life will come to an end.

3. The man looking at the beautiful rose has to wipe his eyes because it is nearly impossible to gaze continually it is angry and brave hue.

4. Spring also ends and gives place to summer. No, it does not everlast.

5. According to the poet, a virtuous soul outlives the world as season'd timber outlives all types of weather.

6. The lesson we learn from the poem is that the virtue is immortal in the world.

Language Skill Practice

III. Now fill in the blanks of the following sentences with the names of the countries or their inhabitants. You may take help from the following examples :

1. Kuwaiti, **2.** Chinese, **3.** Russia, **4.** Turks, **5.** Poles, **6.** Yugoslav, **7.** Americans, **8.** Greece, **9.** Nepal, **10.** Indians.

IV. Answer the following questions :

1. I live in India and I call myself an Indian.
2. We find Moroccans in Morocco.
3. My uncle lives in America. I shall call him an American.
4. People living in Israel are Israelies.
5. The inhabitants of Sri Lanka are called Sri Lankans.

Activity Time

VI. Crossword Puzzle :

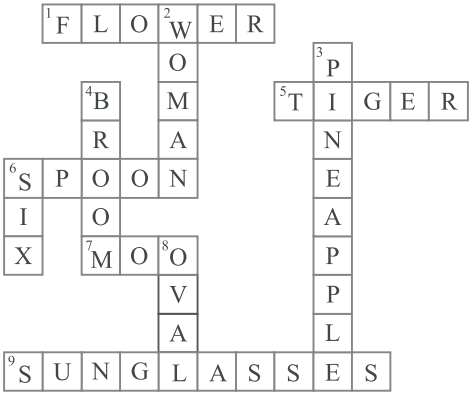

2. Mother Teresa

हिन्दी अनुवाद

ऐसा कोई व्यक्ति ढूँढना लगभग असंभव है जिसने मदर टेरेसा का नाम न सुना हो। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों की सेवा में समर्पित कर दिया।

कोलकाता के प्रसिद्ध काली मंदिर के पास गरीबों और बीमारों के लिए एक घर है। यह घर ''निर्मल हृदय'' कहलाता है। यह घर बहुत बीमार लोगों और उन अनचाहों को, जिनका कोई नहीं है, शरण प्रदान करता है। मदर टेरेसा ऐसे लोगों से प्यार और स्नेहिल व्यवहार करती थीं। वह उन्हें घर जैसा ही महसूस कराती थीं। मदर टेरेसा उन बच्चों, जिनकी कोई देखभाल नहीं करता, बेसहारा बूढ़े व्यक्तियों और आदमी और औरतें जिनकी बीमारी लाइलाज होती; को शरण प्रदान करती थीं। वह कोढ़ियों का इलाज करती थी। उनका कार्यक्षेत्र, कोलकाता की गन्दी बस्तियाँ थीं जहाँ जीवन की परिस्थितियाँ बहुत ही शोचनीय और मानव जीवन के अयोग्य थीं।

मदर टेरेसा का जन्म अल्बानिया में 27 अगस्त, 1910 को हुआ था। उनका नाम एग्नेस गोंजा बोयाड्यू था। वह अट्ठारह वर्ष की आयु में लॉरिटो कॉनवेंट (आश्रम) से जुड़ गईं और नन बन गईं। उन्होंने दार्जिलिंग में पढ़ाना आरंभ किया तथा बाद में एंटैली (कोलकाता) में। उन्होंने लॉरिटो कॉनवेंट के सेंट मेरीज हाई स्कूल में वर्ष 1929 से 1948 तक भूगोल पढ़ाया। चूँकि वह बीमारों और गरीबों की सेवा करना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने परिचारिका का प्रशिक्षण लिया। गरीब बस्तियों में जीवन की शोचनीय परिस्थितियों को देखकर वे बहुत दु:खी होती थीं। इसलिए उन्होंने कोलकाता की मोतीझील गरीब बस्ती में अपना पहला विद्यालय खोला। यहाँ के लोग घोर गरीबी और परेशानी में रहते थे। जब मदर टेरेसा ने यह देखा वह बहुत उदास व दु:खी हुईं और उन्होंने सोचा कि उन्हें कॉनवेंट के आरामदायक माहौल में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उनके लिए भगवान की सेवा करने का सबसे अच्छा रास्ता बीमार, गरीब और जरूरतमंदों की सेवा करना था। उन्होंने कॉनवेंट छोड़ने का निश्चय किया और बाद में उन्होंने अपना धार्मिक संप्रदाय स्थापित किया जिसे ''मिशनरीज ऑफ चैरिटी'' कहा गया। जब कोलकाता म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ने देखा कि मदर टेरेसा क्या कर रही हैं, तो उन्होंने काली मंदिर के पास उन्हें एक भवन दे दिया।

मदर टेरेसा और उनकी नन बहुत साधारण जीवन जीती थीं। वे साधारण नीली किनारी वाली सफेद साड़ी पहनती थीं।

लोग जो भी कुछ दे सकते थे, मदर के घरों के लिए दान देते। कुछ ऐसी घटनाएँ हैं जो बताती हैं कि कैसे मदर को वे चीजें मिल जाती थीं जिनकी उन्हें आवश्यकता होती थी। ऐसी ही घटना सर्दियों में घटी, जब सिस्टर के पास गरीब रोगियों के लिए रजाई नहीं थीं, उसी समय, एक व्यक्ति रजाई और गद्दे दान करने के लिए ले आया।

दूसरी घटना उस समय की है जब चैरिटी की सिस्टर्स चावल के लिए परेशान थीं और तभी एक अनजान महिला पर्याप्त मात्रा में चावल लेकर उनके पास आयी जितनी उन्हें आवश्यकता थी।

उन्होंने एक मिशन प्रारम्भ किया और अब मिशनरीज ऑफ चैरिटी के केन्द्र पूरे संसार में हैं। इस मिशन के हजारों कार्यकर्त्ता गरीबों के लिए बने अनाथालयों, दवाघरों और विद्यालयों में काम करते हैं। मदर टेरेसा अपने घरों के सन्तोषजनक कार्य की देखभाल के लिए पूरे संसार में यात्रा करती थीं। मदर टेरेसा को वर्ष 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। उन्हें भारत का सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' वर्ष 1980 में दिया गया। 5 सितम्बर, 1997 को कोलकाता में उनकी उनका देहांत हो गया।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (b), **3.** (c), **4.** (b).

II. Fill in the blanks :

1. Nirmal Hriday, **2.** Nobel Peace, Bharat Ratna, **3.** 27th August, 1910, **4.** Moti Jheel, Kolkata, **5.** September 5, 1997.

III. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. (✗), **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (✗).

IV. Answer the following questions :

1. 'Nirmal Hriday" is located near the famous Kali temple in Kolkata. It is a home for the poor and the ailing which provides shelter to those who are sick and unwanted.
2. Mother Teresa worked in slums of Kolkata to help poor children, unwanted old sick people and those men and women whose sickness was beyond treatment.
3. Mother Teresa trained as a nurse because she wanted to serve the poor and the destitute in a proper way.
4. Mother Teresa decided to leave the Convent because she felt that she had no right to stay in comfortable environment while the people whom she served lived in utter poverty and misery.
5. The sisters working in the Missionaries wear rough white sarees with blue borders.

Language Skill Practice

V. Complete the spellings :

p**o**sess**i**on, f**a**mo**u**s, m**i**se**r**able, s**h**el**t**er, c**o**nv**e**nt, gr**ie**ved.

VI. Match the related words :

slum	dwellers
great	desire
living	conditions
poor	patients
comfortable	environment
very	sad
adequate	amount
noble	work

Activity Time

VII. Complete the passage by filling in the blanks with the words used in the text :

There are many **slums** in the big cities of India. The slum **people** lead a very **difficult** life. The Government has **opened** some schools in these slums to improve the **condition** of poor children. Some **schools** and dispensaries are also set up in these slums. Some rich people **donate** money, foodgrains and clothes to these orphanages.

3. The Farmer's Riddle

हिन्दी अनुवाद

बहुत दिन हुए, एक किसान अपने खेत में काम कर रहा था तभी राजा उस रास्ते से गुजरा। गरीब किसान को देखकर वह रुक गया तथा उससे पूछा, "एक दिन में तुम कितना कमाते हो?" किसान ने उत्तर दिया कि एक दिन में वह केवल चार रुपये कमाता है। राजा ने दोबारा पूछा, "तुम उन चार रुपयों का क्या करते हो?" किसान ने कहा, "मेरे प्रभु! पहला

रुपया मैं खाता हूँ। दूसरा मैं उधार देता हूँ। तीसरा मैं वापस लौटाता हूँ और चौथा मैं फैंक देता हूँ।''

राजा किसान के शब्दों का वास्तविक अर्थ नहीं समझ पाया। इसलिए उसने उससे उसके पहेली जैसे वाले शब्दों की व्याख्या करने को कहा। किसान ने तब उसे इन शब्दों का अर्थ समझाया। इस पर राजा उससे बहुत प्रसन्न हुआ और कहा, ''तुम अपने शब्दों का अर्थ किसी को भी नहीं बताओगे, जब तक तुम मेरा चेहरा सौ बार न देख लो।'' किसान ने ऐसा करने का वचन दिया।

अगले दिन, राजा ने किसान के शब्द अपने मंत्रियों को बताए और उनसे उनके अर्थ की व्याख्या करने के लिए कहा। लेकिन वे नहीं कर सके। मंत्रियों में से एक राजा और किसान के बीच की वार्तालाप के बारे में जानता था। वह चुपचाप सीधा किसान के पास गया और उससे उसके शब्दों का अर्थ बताने को कहा। किसान ने कहा, ''मैं तुम्हें कुछ नहीं बता सकता, जब तक कि मैं राजा का चेहरा सौ बार न देख लूँ। मगर, एक दूसरा रास्ता है। यदि तुम मुझे सौ सिक्के दोगे, मैं तुम्हें सब कुछ बता सकता हूँ।'' मंत्री ने उसकी बात मान ली।

बुद्धिमान किसान ने सिक्के ले लिए जिन पर राजा का चेहरा छपा था। उसने उनमें से प्रत्येक पर चेहरा देखा और सौ तक गिना। तब उसने मंत्री से कहा, ''सुनो! पहले रुपए से मैं स्वयं और अपनी पत्नी का पेट भरता हूँ। दूसरे से मैं अपने बच्चों का पेट भरता हूँ जो मुझे मेरी देख-भाल करके उसे लौटाएँगे जब मैं वृद्ध और कमजोर हो जाऊँगा। तीसरे से मैं अपने माता-पिता का पेट भरता हूँ क्योंकि उन्होंने मुझ पर भूतकाल में धन खर्च किया था। चौथा रुपया गरीबों को खिलाने में खर्च होता है, और मुझे इस संसार में उनसे किसी लाभ की आशा नहीं है।'' मंत्री राजा के पास वापस लौट आया और उसे किसान के शब्दों का अर्थ बता दिया।

अब राजा को पता लगा कि अपने शब्दों का अर्थ बताने से पूर्व कैसे चतुर किसान ने उसका चेहरा सौ बार देखा, वह उसकी बुद्धिमत्ता से बहुत प्रसन्न हुआ। उसने उसे सौ सिक्के और दिए।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (a).

II. Explanation the following :

1. "The first rupee I eat", means that with the first rupee, the farmer fed himself and his wife.

2. "The second rupee I lend", means that with the second rupee, the farmer fed his children who would pay him back by looking after him when he would became old and weak.

3. "The third rupee I pay back" means that with the third rupee, the farmer fed his parents because they had spent money on him in the past.

4. "The fourth rupee I throw" means that with the fourth rupee, the farmer fed the poor and he does not expect any benefit from them in this world.

III. Answer the following questions :

1. The farmer said to king, "My Lord! The first rupee I eat. The second I lend. The third I pay back and the fourth I throw away."
2. The king asked the farmer to promise that he would not tell the meanings of his words to anybody until he had seen the king's face one hundred times.
3. The farmer suggested to the minister that if he gave him one hundred coins, he would tell him the meaning of his words.
4. The farmer took from the minister the coins which had the king's face on them. He saw the face on each of them and counted upto one hundred. This way, he kept his promise of seeing the king's face one hundred times.
5. When the king came to know that how cleverly farmer had seen his face one hundred times before telling the meaning of his words, he was much pleased with the farmer and gave him hundred coins more.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

hundrad	**hundred**	benefet	**benefit**	frist	**first**
feild	**field**	childern	**children**	parants	**parents**

V. Match the words with their opposites :

pleased	angry
earn	spend
give	take
agree	refuse
weak	strong

VI. Fill in the blanks with the meanings of the given words :

explained	**made clear**	lord	**master**	puzzling	**confusing**
straight	**direct**	replied	**answered**	quietly	**silently**

Activity Time

VII. Make meaningful sentences from the following table :

1. You cannot write until you have a pen.
2. Don't eat unless you are hungry
3. Nobody loves you unless you love him.
4. They did not go out until their parents went with him.

4. The Story of Writing

हिन्दी अनुवाद

आदि मानव जानवरों की भाँति जंगल में रहता था। वह जानवरों और पक्षियों के जैसी कुछ आवाजें निकाला करता था। उसकी कोई भाषा नहीं थी। वह अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए निश्चित प्रतीकों का उपयोग करता था। चूँकि मानव अन्य जानवरों से अधिक बुद्धिमान था, वह अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए कुछ आवाजें निकाला करता था। ये

आवाजें शब्द बन गईं और इस प्रकार, बोलने की कला विकसित हुई, लेकिन लिखने की कला अभी विकसित होनी थी।

धीरे-धीरे मानव ने अपने विचारों को प्रकट करने के लिए चित्रों और प्रतीकों को बनाना शुरू किया। गुफाओं में मिले आदि मानव के चित्र दर्शाते हैं कि वह अपने विचारों को चित्रों के द्वारा संचारित करता था। बाद में उसने अपने विचारों को प्रकट करने के लिए कुछ प्रतीकों का उपयोग करना शुरू किया। इसलिए पहली लिपि चित्रों और प्रतीकों के रूप में थी।

इसलिए चित्रों के रूप में लिपि को 'चित्रि लिपि' के नाम से जाना जाता है। यह भाषा मिस्र के राजाओं के मकबरों पर पायी गयी थी। चित्र भित्ति को *हायरोग्लाइफिक* (प्राचीन मिस्र में प्रचलित भित्ति-चित्र कहा जाता है।

उस समय के शकों की एक बहुत मनोरंजक कहानी है। वे ईरानियों को सूचना देना चाहते थे कि वे उन पर आक्रमण करेंगे व उन्हें हरा देंगे। उन्होंने उन्हें एक पक्षी, एक चूहा, एक मेंढक और पाँच बाण भेजे। वे अपने विचारों को प्रतीकों के द्वारा संचारित करना चाहते थे। उन प्रतीकों के द्वारा सूचना भेजी गई, ''ओ ईरानियो! क्या तुम पक्षियों की भाँति उड़ सकते हो? क्या तुम धरती को खोदकर उसके भीतर चूहों की भाँति छुप सकते हो? क्या तुम पानी व दलदल के ऊपर से कूद सकते हो?

''यदि तुम इन बातों में से कुछ भी नहीं कर सकते हो, तो हमारे साथ युद्ध करने की कोशिश मत करना। हम अपने बाणों से तुम पर हमला करेंगे और तुम्हें हरा देंगे।''

प्राचीन समय में ऐसे चित्र लेखन का उपयोग बहुत से देशों में होता था। चीन के लोगों के पास अभी भी एक प्रकार का चित्र लेखन है। धीरे-धीरे साधारण प्रतीक चित्रों का स्थान लेते गए। प्रतीकों में लिखना सर्वप्रथम मेसोपोटामिया (इराक) में सुमेरियों के द्वारा आरम्भ हुआ। वे मिट्टी की तख्तियों पर तेज पैने चाकू से प्रतीकों को खुरचते थे। ये प्रतीक आकार में तिकोने होते थे। बाद में, ये प्रतीक वर्णमाला के रूप में विकसित हो गए।

विश्व में अधिकांश देश आज वर्णमाला का उपयोग करते हैं, जो कि अक्षरों का समूह है। प्रत्येक अक्षर भाषा की एक ध्वनि को दर्शाता है। क्योंकि किसी भी भाषा की ध्वनियाँ बहुत अधिक नहीं हैं, हमें बड़ी संख्या में प्रतीकों की आवश्यकता नहीं है। अधिकांश भाषाओं में वर्णमाला के अक्षर पचास से अधिक नहीं हैं, लेकिन शब्दों की संख्या जिन्हें हम उनसे लिखते हैं, कई सौ हजार हैं!

लिखने की यह व्यवस्था चित्र लेखन से अधिक आसान है, मगर यह कई शताब्दियों तक दूर तक नहीं फैली थी। पढ़ना और लिखना प्रिंटिंग प्रैस के अविष्कार के बाद ही प्रचलित हुआ।

लिखने का कोई भी दिशा-निर्देश निश्चित नहीं था। जब कि अधिकतर भाषाएँ बाएँ से दाएँ को लिखी जाती हैं, अरबी और उर्दू दाएँ से बाएँ को लिखी जाती हैं। चीनी भाषा लम्बवत लिखी जाती है।

विभिन्न भाषाओं को लिखने में विभिन्न लिपियों का उपयोग होता है। भारत में, प्रारम्भिक लिपि जिसका अर्थ निकाला गया, ब्राह्मी लिपि है। इस लिपि का उपयोग अशोक के स्तम्भों और शिलालेखों पर लोगों को सन्देश देने के लिए किया गया है। अधिकतर आधुनिक भारतीय भाषाओं की व्युत्पत्ति ब्राह्मी लिपि से हुई है।

हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी में देवनागरी लिपि का उपयोग होता है। हिन्दी के अतिरिक्त संस्कृत, गुजराती, मराठी और नेपाली भाषाओं में भी देवनागरी लिपि का उपयोग होता है।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (a), **3.** (c), **4.** (b), **5.** (b).

II. Fill in the blanks :

1. Egyptians, **2.** Chinese, **3.** forest, **4.** signs, **5.** alphabet.

III. Answer the following questions :

1. The early man used to make sounds like that of animals or birds. He used certain signs to show his feelings and made some sounds to express his emotions. These sounds become words and this way, the art of speaking developed.

2. The early man started drawing pictures and signs to communicate and express his ideas. This was how pictorial script developed.

3. The pictorial script was first discovered in the tombs of Egyptian kings.

4. Scythians sent a bird, a mouse, a frog and five arrows to the Persians .

5. To the Persians, the Scythians wanted to communicate that they would attack and defeat them.

6. An alphabet is a collection of letters. It is a better system that picture writing because one has to draw a large number of pictures in picture writing for someone to have a proper conversation whereas alphabets of most languages have not more than fifty words, which can be used to form thousands and thousands of words.

7. Most languages are written from left to right.

8. Brahmi script was used on the pillars and edicts of Ashoka to spread his message of peace to the people.

9. Hindi, Sanskrit, Gujarati, Marathi and Nepali languages are written in Devanagri script.

Languages Skill Practice

IV. Complete the spellings :

d**e**fe**a**t, l**a**ng**u**age, e**x**pr**e**ss, in**t**ell**i**gent, col**l**e**c**tion, m**e**ss**a**ge, s**cr**i**p**t, c**o**m**m**uni**c**ate.

V. Match the words with their meanings :

express	show
feelings	ideas
communicate	send messages
symbol	sign
gradually	slowly
fixed	definite
certain	some
widely	largely

Activity Time

VI. Fill in the blanks with the words given below and complete the passage :

Man communicated his ideas first through **symbols.** Later on, he started using some **pictures** to express his **ideas.** Gradually, the pictures were replaced by **easy** symbols. Most countries in the world today use the **alphabet** which is a **collection** of letters. It was only after the **invention** of printing press that reading and writing became **common.**

5. True Friendship

हिन्दी अनुवाद

डैमोन और पिथियस घनिष्ठ मित्र थे। उनके शहर का राजा बहुत ही क्रूर था। किसी ने भी उसका विरोध करने का साहस नहीं था। दोनों मित्र बहुत बहादुर थे। एक दिन राजा के सिपाहियों ने पिथियस को राजा के विरुद्ध बात करते हुए सुना। उन्होंने उसे बन्दी बना लिया और उसको राजा के पास ले गए जिसने उसे मृत्युदण्ड का आदेश दिया।

जब डैमोन ने यह सुना, वह कारागार में अपने मित्र से मिलने आया। उसने पिथियस से कहा, ''प्रिय मित्र, मैं तुम्हें बचाने के लिए खुशी से मर जाऊँगा। मुझे बताओ मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ?'' पिथियस ने कहा, ''मित्र! मैं मृत्यु से नहीं डरता। लेकिन अपनी मृत्यु से पहले मैं अपनी बूढ़ी माँ को देखना चाहता हूँ।''

डैमोन राजा के पास गया और कहा, ''हे राजा! कृपया मेरे मित्र को उसकी मृत्यु से पहले उसकी बूढ़ी माँ को देखने की आज्ञा दे दें। इतने समय के लिए, उसके स्थान पर मैं कारागार में रहूँगा। यदि मेरा मित्र निश्चित दिन को नहीं लौटता है, आप मुझे उसके स्थान पर मार सकते हो।''

राजा सहमत हो गया। पिथियस अपनी माँ को देखने चला गया और डैमोन कारागार में रखा गया। निश्चित दिन आ गया लेकिन पिथियस नहीं लौटा। इसलिए राजा ने डैमोन को अपने पास बुलवाया और कहा, ''हा सामने, हा! मुझे बताओ तुम्हारा मित्र कहाँ है। कितनी दुःख की बात है कि अब, तुम उसके स्थान पर मारे जाओगे। तुम्हें उस पर विश्वास नहीं करना चाहिए था।''

''मेरे मित्र के सामने कुछ समस्याएँ आ गयी होंगी,'' डैमोन ने कहा, ''मुझे उसके लिए मरने में प्रसन्नता होगी क्योंकि मैं अपनी मित्रता पर सन्देह नहीं करता।'' राजा दोबारा हँसा और कहा, ''तो मरने के लिए तैयार हो जाओ।''

डैमोन को फाँसी लगाए जाने वाले स्थान पर ले जाया गया। राजा और हजारों लोग फाँसी की कार्यवाही देखने के लिए आए। जैसे ही जल्लाद उसके गले में फंदा डालने वाला था, दूर से एक आदमी घोड़ा दौड़ाता हुआ और चिल्लाता हुआ प्रकट हुआ, कृपया ''रुको, रुको, कृपया। यह मैं हूँ। पिथियस! मैं आ गया हूँ। डैमोन को छोड़ दो।'' लेकिन डैमोन ने कहा, ''नहीं, मित्र! मुझे मेरा कर्त्तव्य निभाने दो। तुम्हारी माँ को तुम्हारी अधिक आवश्यकता है। यदि मैं मरता हूँ तो कोई समस्या नहीं।''

यह देखकर, राजा बहुत प्रभावित हुआ। उसने उनसे कहा, ''मैंने अपने जीवन में इससे पहले कभी सच्ची मित्रता का ऐसा बढ़िया उदाहरण नहीं देखा। तुम्हारी मित्रता की शक्ति मेरे राज्य और अधिकारों से बहुत बड़ी है। मैं तुम दोनों को स्वतन्त्र करता हूँ।''

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (b).

II. Who said the following and to whom?

1. Damon said the king.
2. Damon said to king.
3. King said to both of Damon and Pythias.
4. Pythias said to Damon.
5. Damon said to Pythias.
6. King said to Damon.

III. Answer the following questions :

1. The king's soldiers heard Pythias talking ill about the king so they arrested him.
2. In the prison, Damon said to Pythias, "Dear friend, I would happily die to save you. Tell me what I may do for you?"
3. Before his death, Pythias want to see his old mother .
4. Damon was put in prison in place of Pythias who had gone to see his old mother.
5. When Damon was about to be hanged, Pythias returned back.
6. The king was greatly moved by the love between the two friends and he set them free.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

prison, oppose, death, power, period, doubt, people, problem, authority.

V. Match the adjectives with suitable nouns :

Adjectives	Nouns
fast	friends
major	problem
brave	men
cruel	king
fine	example

Activity Time

VI. Change the following sentences into plural see the example :

1. We are glad to die for them.
2. Tell me what may we do for you.
3. We have come.
4. There appeared men riding horses.

6. Trees : The Precious Gift of Nature

हिन्दी अनुवाद

वृक्ष प्रकृति के बहुमूल्य उपहार हैं। कुछ वृक्ष प्राकृतिक रूप से उगते हैं किन्तु कुछ हमारे द्वारा उगाए जाते हैं। बीज को धरती में बोएं और कुछ दिनों के लिए प्रतीक्षा करे व देखें क्या होता है। बीज नीचे और ऊपर दोनों ओर बढ़ता है। यह जड़ों को नीचे की ओर भेजता है और तने को ऊपर। वृक्ष धीरे-धीरे और लगातार बढ़ता है। जब यह लंबा हो जाता है, तब शाखाएँ प्रकट होती हैं जिन पर पत्तियाँ होती हैं। इनके पीछे फूल और फल भी आ जाते हैं। फलों में बीज होते हैं।

समस्त वृक्ष विभिन्न आकार के होते हैं। कुछ वृक्ष लंबे होते हैं, कुछ मध्यम आकार के होते हैं, जबकि कुछ काफी छोटे होते हैं।

वृक्ष सुन्दर, आकर्षक व उपयोगी भी होते हैं। वे जहाँ कहीं भी होते हैं, वे उस स्थान को देखने में मनोरम, हरा-भरा और छायादार बना देते हैं। वे हमें फल, छाया, लकड़ी और इमारती लकड़ी देते हैं। पक्षी उनकी शाखाओं पर घोंसले बनाते हैं जबकि गिलहरी तनों के छिद्रों में रहती है।

बगीचों में या सड़कों, जिनके दोनों ओर छायादार ऊँचे वृक्ष होते हैं, सैर करते समय हम सैर का आनन्द प्राप्त करते हैं और उनकी सुन्दरता की प्रशंसा करते हैं। वृक्ष वायु को शुद्ध करते हैं क्योंकि वे कार्बन डाइ-ऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और हमें ऑक्सीजन देते हैं। वृक्ष भूमि के कटान को भी रोकते हैं और भूमि में खाद-मिट्टी को मिलाते हैं।

क्या हमने कभी इन वृक्षों को सजीव वस्तु की भाँति देखा है? शायद नहीं। वास्तव में, प्रत्येक वृक्ष हमारे जैसा जीवित और साँस लेने वाला प्राणी है। उसे भी भोजन, पानी और वायु की आवश्यकता होती है।

यह बढ़ता है, एक परिवार बसाता है और अन्त में मर जाता है। लेकिन मानव से भिन्न, वृक्ष सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में प्रकाश-संश्लेषण क्रिया द्वारा अपना भोजन स्वयं बनाता है। यह अपनी पत्तियों के द्वारा साँस लेता है। वायु पत्तियों में जाती है बिल्कुल वैसे, जब यह हमारे फेफड़ों में जाती है जब हम साँस लेते हैं।

वातावरण वृक्षों की वृद्धि को प्रभावित करता है। यदि जल कम है, तो जड़ें इसकी खोज में गहराई तक काफी नीचे तक जाती हैं। यदि भोजन पर्याप्त नहीं है, तो जड़े भोज्य-पदार्थों की खोज में दूर-दूर तक, आगे और पीछे फैल जाती हैं। यदि किसी एक स्थान पर अत्यधिक वृक्ष हैं, तो धूप तक पहुँचने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं और वे काफी ऊँचे हो जाते हैं।

वृक्ष एक बलवान योद्धा है। यह हवा के आगे झुक सकता है, परन्तु सदा टूटता नहीं है। यह स्वयं की बर्फ, पाले और ओले से भली प्रकार रक्षा करता है। यह मनुष्य को छोड़कर, जो कि लगातार काटकर इसे हरा देता है, अन्य समस्त शत्रुओं को हरा सकता है। अनेक मनुष्य इस बात से सचेत नहीं हैं कि इतनी बड़ी संख्या वृक्षों को नष्ट करके, वे वास्तव में स्वयं को नष्ट कर रहे हैं।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (a), **3.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. photosynthesis, **2.** precious, **3.** carbon dioxide, **4.** environment, **5.** graceful.

III. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. (✗), **2.** (✗), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (✗).

IV. Answer the following questions :

1. After the seed is sown into the soil and providing it nutrients, water and sunlight, it grows into a tree.

2. Four main uses of the trees are that they provide us fruits, shade, wood and timber.

3. Trees make the air fresh by absorbing carbon dioxide and giving out oxygen.

4. The trees breathe through its leaves. They take in carbon dioxide and give out oxygen.

5. Some enemies of the trees as mentioned in the text are wind, snow, frost, hail and most dangerous is man.

Language Skill Practice

V. Five words in the following passage are generally associated with trees. Here they have been used in a different sense. Underline them :

Rakesh leaves for work at nine every morning. He works in the local branch of the firm of which his uncle is the owner. Rakesh's office is really the fruit of his own labour. He is generally happy but he has a small problem. The root cause of his problem is a stray dog near his office. He welcomes Rakesh with a loud bark.

Activity Time

VI. Fill in the blanks spaces with the phrases given in the box :

You must have seen a Neem tree. Roads are often **lined with them.** In villages, particularly, they stand everywhere. Neem is usually large, **mostly evergreen** and has a dark **rough skin** and reddish wood. The sweet scent of its flowers **attracts bees** and other small insects through the flowering season. **Its fruit,** which we don't usually eat, is **yellow or purple** and contains a big seed in it.

VIII. Fill in the blanks using noun forms of the verbs given in the box :

1. protection, **2.** repetition, **3.** appearance, **4.** destruction, **5.** growth.

7. God Lives in the Panch

हिन्दी अनुवाद

जुम्मन शेख और अलगू चौधरी दो बहुत घनिष्ठ मित्र थे। साथ-साथ खेतों को जोतने के अलावा, उनका धन उधार देने का व्यापार भी संयुक्त था। उनका एक-दूसरे में पारस्परिक विश्वास इतना मजबूत था कि जब उनमें से एक अनुपस्थित होता तो दूसरा उसके घर-बार का ध्यान रखता। ऐसा ही हुआ जब जुम्मन हज को गया और अलगू को व्यापार से बाहर जाना पड़ा। इस आपसी विश्वास और भरोसे का क्या रहस्य था? सामाजिक अथवा धार्मिक सम्बन्ध? नहीं, वरन् एक समान दृष्टिकोण और विचारों का मेल-मिलाप। और एक स्थायी मित्रता के लिए यह सबसे अच्छी नींव थी।

जुम्मन विद्वान था क्योंकि उसके पिता जानते थे कि एक लड़के को कैसे पाला-पोसा जाये। वे कहा करते थे, ''यदि बच्चे की गलती पर उसे दंडित न किया जाए तो यह उसकी प्रगति के लिए घातक होगा।'' उन्होंने अपने स्वयं के पुत्र जुम्मन के मामले में भी इस नियम (उक्ति) का पालन किया था। अत: गाँव भर में ज्ञान में जुम्मन की बराबरी करने वाला अन्य दूसरा कोई नहीं था। परन्तु अलगू के पिता के विचार भिन्न थे। वे विश्वास करते थे कि आपके शिक्षक (गुरु) का आशीर्वाद आपको एक श्रेष्ठ विद्वान बना देगा और उनके हुक्के को ताजा और उनकी चिलम को नियमित भरने से ज्यादा उनकी कृपा को प्राप्त करने का और कोई उपाय नहीं है। बेचारा अलगू इस सेवा में कभी कमी नहीं करता था। और अन्त में वह अधिक विद्या प्राप्त करने में असफल रहा। यह उसका दोष नहीं था परन्तु ग्रहों का दोष था, ऐसा उसके बूढ़े पिता कहते थे। फिर भी गाँव में जुम्मन को उसके ज्ञान के लिए आदर किया जाता था और अलगू का आदर उसके धन के कारण होता था।

जुम्मन की एक मामी थी, जिसके पास काफी सम्पत्ति थी परन्तु सन्तान नहीं थी। उसने अपनी सम्पत्ति इस आशय के साथ कि उसकी भली प्रकार देखभाल की जायेगी, एक दस्तावेज के द्वारा जुम्मन के नाम कर दी। जब तक दस्तावेज पर दस्तखत नहीं हुए, सब ठीक-ठीक रहा। परन्तु जैसे ही दस्तावेज पर दस्तखत होते ही, जुम्मन और उसकी धर्मपत्नी करीमन दोनों ही बदल गये। करीमन ने बुढ़िया को हद से भी ज्यादा परेशान करना शुरू कर दिया।

धैर्य की अपनी सीमा होती है। लगातार दोष निकाले जाने और अपमान किये जाने को सहन कर सकने में असमर्थ, एक दिन मामी ने जुम्मन से शिकायत की। उसने घरेलू मामलों में दखलन्दाजी करने से साफ मना कर दिया। उनसे कहा कि उसकी पत्नी घर चलाना सबसे ज्यादा अच्छा जानती है। कुछ दिनों बाद मामी ने जुम्मन से कहा, ''मुझे कुछ पैसा दे दो जिससे मैं अपनी रसोई अलग और रहने की व्यवस्था कर लूँ।'' तब जुम्मन ने उत्तर दिया कि रुपये पेड़ों से नहीं लटकते हैं। इस पर बूढ़ी स्त्री ने अपना मामला (केस) पंचायत में ले जाने की चुनौती दे डाली। परन्तु जुम्मन जोर से हँस पड़ा क्योंकि उसे विश्वास था कि पंचायत का फैसला उसके पक्ष में होगा।

इसके बाद, वह बूढ़ी स्त्री अपने हाथ में अपनी छड़ी लेकर घर-घर गई। उसने अपना मामला प्रत्येक को समझाया और सहानुभूति पाने की कोशिश की। अन्त में वह अलगू के पास गई। आरंभ में अलगू पंचायत में जाने को तैयार नहीं था परन्तु बाद में जब वृद्ध महिला ने उससे

बार-बार प्रार्थना की तो वह मान गया। परन्तु उसने कहा, कि वह बोलेगा नहीं, क्योंकि जुम्मन उसका घनिष्ठ मित्र था।

अत: निश्चित दिन संध्या के समय गाँव के पेड़ के नीचे पंचायत हुई। जब सभी पंचों ने अपने स्थान ग्रहण कर लिये, वृद्ध मामी उठी और उन्हें इस प्रकार सम्बोधित किया—

''पंचायत के सदस्यों, आप जानते हैं कि तीन वर्ष हुए, जब मैंने अपनी सारी जायदाद जुम्मन के नाम कर दी थी, इस वायदे के साथ कि मेरी देखभाल भली-भाँति की जायेगी। परन्तु मैं अब उसकी पत्नी की लगातार गालियों, अपमान और दोष निकालने से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी हूँ। अब मेरे लिये उसके साथ रहना सम्भव नहीं है। मुझे भोजन और वस्त्रों के लिए भी मना किया जाता है। मैं एक निर्धन और बेसहारा विधवा हूँ। मैं आपसे न्याय की गुहार करती हूँ। यदि मैं गलत हूँ तो कुपया मुझे दंडित करें परन्तु यदि आप जुम्मन में दोष देखते हैं, कृपया उसे सुधारें। मैं आपके आदेशों का सच्चाई के साथ पालन करूँगी।''

सरपंच को मनोनीत करने का काम मामी पर छोड़ दिया गया जिसने अलगू को नामित किया जो इसे करने के लिए तैयार नहीं था। जब अलगू राजी नहीं हुआ तो मामी बोली, ''बेटे, कोई बात नहीं है, मैं जानती हूँ कि दोस्ती की खातिर तुम अपनी अन्तरात्मा का हनन नहीं करोगे। अल्लाह सरपंच के दिल में निवास करता है और उसकी आवाज अल्लाह की आवाज होती है।'' अत: अलगू पंचायत का सरपंच बन गया।

जुम्मन को सम्बोधित करते हुए अलगू ने कहा, ''शेख जुम्मन, तुम और मैं पुराने मित्र हैं। जब कभी हममें से कोई मुसीबत में आया, दूसरा सहायता के लिए आया। अब मैं एक पंच हूँ। मेरी दृष्टि में तुम और तुम्हारी मामी समान हैं। यदि तुम्हें अपने बचाव में कुछ कहना है तो कृपा करके कहो।''

जुम्मन ने कहा, ''मैं वसीयत (दस्तावेज) का ईमानदारी से पालन करता रहा हूँ। मैंने अपनी मामी की आज्ञा उसी प्रकार मानी है जैसे अपनी माता की। परन्तु यह सत्य है कि उनके और मेरी पत्नी के बीच कभी-कभी झगड़े होते रहे हैं। स्त्रियाँ ऐसी ही होती हैं। मेरी मामी अब मुझसे मासिक भत्ते का दावा करती हैं। वह मेरी क्षमता से परे है क्योंकि उनकी जायदाद से अधिक कुछ प्राप्त नहीं होता। इसके अलावा, दस्तावेज में भी ऐसा कोई जिक्र नहीं है।''

अलगू चौधरी कानून को भली प्रकार जानते थे। अपनी जिरह में उन्होंने जुम्मन को चुप कर दिया। प्रत्येक प्रश्न जो उनकी ओर से गरजा, जुम्मन पर हथौड़े की चोट के समान पड़ा। इस पर जुम्मन भौंचक्का रह गया, ''मेरा मित्र क्या कर रहा है। एक क्षण पहले ही वह मुझसे आराम से बातें कर रहा था। अब वह मेरी कब्र खोदने पर उतारू जाने पड़ता है। भगवान ही जाने कौन-सा पुराना बैर वह आज पूरा कर रहा है?''

जब जुम्मन इन विचारों में खोया हुआ था, अलगू ने निर्णय सुना दिया—

''जुम्मन शेख! पंचायत के सदस्यों ने मामले को बहुत सावधानी से देखा है। उनकी यह राय है कि अपनी मामी की जायदाद से प्राप्त आय से आप उन्हें एक निश्चित मासिक भत्ता देने के लिए उत्तरदायी हैं। यदि आप इस निर्णय को कार्यान्वित नहीं करते हैं तो वह दस्तावेज, जिससे उनकी जायदाद हस्तांतरित की गई को, अप्रामाणिक निर्णीत माना जायेगा।''

इस फैसले को सुनकर जुम्मन स्तब्ध रह गया। उसकी मित्रता की नींव हिल गई। वह बदला लेने के उचित अवसर की खोज में व्यस्त रहने लगा।

जल्दी ही जुम्मन को मौका मिल गया। अलगू ने बटेश्वर मेले से एक अति सुन्दर बैलों की जोड़ी खरीदी थी। परन्तु दुर्भाग्यवश एक बैल मर गया। चूँकि उसे एक बैल का कोई लाभ न था, अत: उसने वह एक गाड़ीवान समझू को बेच दिया। उसे उसका मूल्य एक मास में चुकाना था परन्तु कार्य की अधिकता और आराम के अभाव में, बैल मर गया।

समझू बैल की कीमत नहीं चुका पाया। परन्तु यह रकम कम न थी और अलगू उसे भूल नहीं सकता था। अत: इस मामले को सुलझाने के लिए पुन: पंचायत हुई। इस बार जुम्मन सरपंच चुना गया। जिस क्षण वह सरपंच बना, वह अपना व्यक्तिगत बैर भूल गया और अपने पद की गरिमा को उसने कायम रखा।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद जुम्मन ने अपना निर्णय दिया, ''समझू साहू और अलगू चौधरी, पंचों ने आपके मामले पर भली-भाँति वाद-विवाद (तर्क-वितर्क) कर लिया गया है। यह निर्णय लिया गया है कि समझू साहू अलगू को बैल का पूरा मूल्य दे दे। जब समझू ने बैल खरीदा था, उसे कोई बीमारी नहीं थी। यदि क्रय करते समय ही मूल्य चुका दिया गया होता, तो आज यह पंचायत न बुलाई जाती। फिर बैल को कोई रोग नहीं था जब वह बेचा गया। वह मर गया क्योंकि उससे अधिक कार्य लिया गया और उसे खिलाने का कोई समुचित प्रबन्ध नहीं था।''

इस निर्णय को सुनकर, अलगू अपनी भावनाओं पर और अधिक काबू न रख सका। वह खड़ा हो गया और बार-बार चिल्लाकर कहने लगा, ''पंचायत की जय हो।'' भीड़ ने उसे सुना और जल्दी ही सारा गाँव गूँज पड़ा, ''पंचायत की जय!''

जुम्मन फौरन ही अलगू के पास गया और बोला, ''पिछली पंचायत के बाद से मैं तुम्हारा घोर शत्रु हो गया था। मगर आज मैं समझ गया कि पंच होना क्या होता है। उसकी अपनी कोई व्यक्तिगत भावनाएँ नहीं होतीं, तथा वह मित्र और शत्रु में कोई अन्तर नहीं रखता। उसके लिए मतलब की बात यह है कि वह न्याय दे। मुझे अब विश्वास हो गया है कि पंच ईश्वर के स्वर में बोलता है।''

यह सुनकर अलगू की आँखों से आँसू बहने लगे और वह जुम्मन के कन्धों पर सिर रखकर रोने लगा। उन आँसुओं ने, जो उसने उस दिन बहाये, दो पुराने मित्रों के मध्य गलतफहमी की धूल और मिट्टी को धो दिया, उनकी मित्रता की सूखी और मुरझाई बेल फिर से ताजी और हरी हो गयी।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (c).

II. Read the following statements and say whether they are True or False :

1. T, **2.** T, **3.** F, **4.** F, **5.** F.

III. Answer the following questions :

1. The secret of mutual trust and confidence between Jumman and Alagu was a common outlook and a community of ideals.

2. Jumman's father used to say that spare the rod, and spoil the child, and practised it in the case of his own son, Jumman.
3. Alagu's father believed that a teacher's blessing would transform a child into a fine scholar and there could be no surer way to his good grace than to keep his *hookah* fresh nd fill his *children* regularly.
4. In the transfer deed of property, it was written that Jumman's maternal aunt would be looked after well.
5. When the old woman could not bear the insults of Kariman, she called for a meeting of the village panchayat.
6. In the panchayat, Jumman said that there had been occasional quarrels between her and his wife, and women were always like that.
7. Alagu gave his judgement in favour of the old woman, the aunt of Jumman, because the *panchas* found her arguments to be true.
8. If Jumman did not comply with the decision of the Panchayat, the deed transferring the property to him would be deemed void.
9. Samjhu Sahu did not pay the price of the bullock, he had purchased from Alagu. Jumman was elected Sarpanch this time.
10. As a Sarpanch, Jumman realised his responsibility and gave the correct judgement. Thus the friendship between Alagu and Jumman became fresh and green again.

Language Skill Practice

IV. Use the following phrases in your own sentences to make their meanings clear :

1. They must **look after** their children well.
2. It has now become too difficult for parents **to bring up** many chlidren properly.
3. Ladies **run the house** while the men go out to earn money.
4. Army is posted at the border **for the sake of** the freedom of the motherland.
5. Children should **carry out** the wishes of the father and mother.

V. Fill in the blanks with the words given below :

1. cordially, **2.** faith, **3.** nagging, **4.** abroad, **5.** precept.

VI. Now, use the above idioms in your own sentences to make their meanings clear :

1. The students ought to **carry out** the orders of the teachers.
2. Students must carry on the good work.
3. Sentimental people tend to get carried away easily.
4. A number of man-eaters **carry off** people in the jungles of Uttarakhand.
5. He forgot to **put out** the candle when the lights came back again.
6. Terrorist activities have been **put down** in the Punjab.
7. The Principal **put off** the meeting of the teachers, fearing trouble.

8. Nowadays, young boys **put on** the same dress both in winter and summer.

9. The servant could gather no courage to **put in** his request of the master.

Activity Time

VIII. Relationships

Fill in the blanks with suitable words :

1. HORSE, **2.** DISTANCE, **3.** WINTER, **4.** LIGHTNING,
5. FINGERS, **6.** SHUTTLE COCK, **7.** BLIND.

8. Thomas Alva Edison : The Great Scientist

हिंदी अनुवाद

आधुनिक संसार की प्रगति वैज्ञानिकों के कारण है। विश्व का इतिहास वैज्ञानिकों, उनके प्रयासों और उनकी सफलताओं की कहानियों से परिपूर्ण है। एडीसन इसी प्रकार के वैज्ञानिक थे। जब कभी हम रात्रि में प्रकाश चाहते हैं, हम बोर्ड पर लगे एक स्विच को दबाते हैं और एक विद्युत बल्ब अथवा ट्यूब हमें प्रकाश देता है। यह प्रकाश हमें किसने दिया? यह थॉमस अल्वा एडीसन ही थे जिन्होंने इस अँधेरे संसार को सर्वत्र प्रकाशपूर्ण व चमकीले संसार में परिवर्तित कर दिया।

थॉमस एल्वा एडीसन एक अमेरिकी थे। उन्हें बचपन से ही परीक्षणों से प्रेम था। वह नई चीजें जानने को सदैव उत्सुक रहते थे। उन्हें प्रश्न पूछना अच्छा लगता था और जब तक सही उत्तर न मिले वह सन्तुष्ट नहीं होते थे।

यह उनके बचपन की एक कहानी है जो वस्तुओं को जानने की उसकी उत्सुकता के विषय में हमें बताती है। एक दिन बालक एडीसन स्कूल में था। उसकी अध्यापिका पक्षियों के विषय में एक कहानी कक्षा में सुना रही थीं। एडीसन ने खड़े होकर अध्यापिका से पूछा—

''मैडम, मनुष्य पक्षी की भाँति क्यों नहीं उड़ सकता?''

अध्यापिका ने उत्तर दिया, ''क्योंकि पक्षियों के समान मनुष्य के पंख नहीं हैं।''

छोटे बालक ने क्षण भर के लिए सोचा और फिर प्रश्न किया, ''परन्तु पतंग के पंख नहीं होते, और फिर भी हम उन्हें आकाश में उड़ा सकते हैं।''

छात्र हँस पड़े और क्लास-रूम हँसी के शोर से भर गया। इस पर शिक्षिका क्रुद्ध हो गईं और धैर्य खो बैठीं। उन्होंने सोचा कि बच्चा मूर्ख और शरारती है और उन्हें चिढ़ा रहा है। अत: उन्होंने उसके माँ-बाप से उसे स्कूल से हटा लेने के लिए कह दिया। उसके माता-पिता उसे घर ले आये परन्तु वे भली-भाँति जानते थे कि वह मूर्ख बालक नहीं है। यह घटना तब हुई जब एडीसन केवल आठ वर्ष का था।

अब उसके बचपन की एक अन्य घटना को भी जानिये। एक दिन प्रात: वह एक चिड़िया को देख रहा था। वह जमीन पर उतरी और अपनी चोंच में कुछ कीड़े-मकोड़े उठाये और उड़ गयी। इससे युवा एडीसन को विचार आया—''चिड़िया उड़ सकती है, क्योंकि वह कीड़े-मकोड़े खाती है। आदमी भी कीड़े-मकोड़े खाये तो उड़ सकता है,'' उसने सोचा। वह

इस प्रयोग को किसी पर आजमाना चाहता था। उसने कुछ कीड़े-मकोड़े पकड़े, उनकी लुगदी-सी बनाई और उसे पानी में मिला दिया। वह उस मिश्रण को एक नौकरानी के पास ले गया और उससे कहा, ''यह एक अद्‌भुत मिश्रण है, यदि तुमने इसको पी लो तो तुम पक्षी के समान उड़ सकोगी। आओ! इसे पियो और देखो।''

बेचारी लड़की ने उस पर विश्वास किया और मिश्रण को पी गई। हाँ, वह उड़ी तो नहीं लेकिन बीमार अवश्य पड़ गई। बालक एडीसन की माता ने इस प्रकार के मूर्खतापूर्ण प्रयोग न करने की चेतावनी दी।

वास्तव में एडीसन बहुत बुद्धिमान बालक था। यद्यपि वह अपने मूर्खतापूर्ण प्रयोगों में असफल रहा फिर भी उसने सीखा कि उसके विचार गलत हैं। वह पुस्तकों का शैकीन था और उसने काफी सारी पढ़ डाली। उसके पिता उसे प्रत्येक पुस्तक पढ़ने के पच्चीस सेंट देते थे। वह विस्तृत अध्ययन करता था और जो जेब खर्च उसे मिलता था उससे वह और अधिक पुस्तकें खरीद लेता था और उसने एक छोटी प्रयोगशाला बना ली। उसकी माता जी उसे प्रोत्साहित करती थीं और उसके प्रयोगों में उसकी सहायता करती थीं। वास्तव में बालक एडीसन ने अपनी माता में ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पाया जो उसे मिल सकता था। वह बहुत धैर्य से उसके सभी प्रश्नों के उत्तर देतीं। उनकी सहायता तथा मार्गदर्शन में उसने अच्छी उन्नति की। वह वस्तुओं का बड़ी बारीकी से निरीक्षण करता था और ढेर सारे प्रयोग किए।

अपने आगे के अध्ययन के लिये अब एडीसन को धन की आवश्यकता हुई। वह कुछ पुस्तकें खरीदना चाहता था। वह बाहर जाना और नये स्थान देखना तथा नये लोगों से मिलना चाहता था। अत: रेलवे में नौकरी करने का उसने निश्चय किया। बड़ी कठिनाई के उपरान्त उसे अपने माता-पिता से स्वीकृति मिली। वह समाचार-पत्र विक्रेता बना और ट्रेन में डैट्रायट तक आता-जाता था। उसने अखबार, मिठाई और फल बेचे और पहले दिन दो डॉलर कमाये। उस रात्रि को भोजन के समय उसने अपनी माँ से कहा, ''यह डॉलर लें, माँ। जो कुछ मैं अर्जित करूँगा उसमें से प्रत्येक रात्रि को आपको एक डॉलर दूँगा।'' और उसने अपने वचन को निभाया।

कुछ समय पश्चात् एडीसन ने अपना निजी समाचार-पत्र निकालने का निश्चय किया। उसने एक पुराना प्रिंटिंग प्रेस (मुद्रणालय) खरीद लिया और रेलवे वैगन (डिब्बे) में लगा लिया। वह अपने अखबार का सम्पादन करता था, छापता था, अनेक प्रतियाँ बेचीं और उससे उसने अधिक धन कमाया। इस धन से उसने रेलवे वैगन में एक छोटी-सी प्रयोगशाला स्थापित की।

जब वह पन्द्रह वर्ष का था, उसके साथ एक दुर्घटना हुई जिसने उसके पेशे को प्रभावित किया। जब वह अपनी प्रयोगशाला में एक प्रयोग कर रहा था, ट्रेन एक मोड़ पर मुड़ी। अचानक एक झटका लगा और थोड़ा-सा फॉस्फोरस उसके डिब्बे के फर्श पर गिर गया और उसमें आग लग गई। इससे पहले कि वह उसे बुझा पाता, समाचार पत्रों ने आग पकड़ ली। आग फैल गई और एडीसन सहायता के लिए चिल्लाया। गार्ड अन्दर आया और दोनों ने साथ मिलकर आग बुझाई। परन्तु ट्रेन में एडीसन की नौकरी समाप्त हो गई। अगले स्टेशन पर उसे बर्खास्त कर दिया गया।

लगभग दस वर्षों तक अध्ययन करने और कठिन कार्य करने के बाद, एडीसन ने ढेरों आविष्कार किए। अविष्कार एक के पीछे एक आते गए और एडीसन ने और अधिक ख्याति व

धन अर्जित किये। वर्ष 1877 में वह एक ऐसी मशीन पर कार्य कर रहे थे जो मनुष्य की आवाज निकाल सके। अगले वर्ष उसने वास्तव में एक ऐसी मशीन बनाई। उन दिनों उसका नाम टॉकिंग मशीन रखा गया। अब हम उसे ग्रामोफोन कहते हैं। उसी वर्ष उन्हें वाशिंगटन में ह्वाइट-हाउस में निमन्त्रित किया गया। यह उस भवन का नाम है जहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति निवास करते हैं। एडीसन वहाँ राष्ट्रपति को अपनी मशीन दिखाने गये। इसने उन्हें सारे अमेरिका में प्रसिद्ध कर दिया। अब वे सफल और समृद्ध थे। इस सबके लिये वे अपनी माता की सहायता और प्रेरणा तथा अपने स्वयं के परिश्रम की प्रति ऋणी थे।

मार्च, 1878 में उन्होंने बिजली के लैम्प पर कार्य करना प्रारम्भ किया। चूँकि उन दिनों बिजली का प्रकाश नहीं था, लोग मोमबत्ती तथा तेल के दीपकों का उपयोग करते थे। एडीसन ने उन्हें दो वर्षों में विद्युत-प्रकाश देने का वादा किया। जब उसने यह बात कही तो सभी वैज्ञानिक उस पर हँसे। वे कहते थे कि यह असंभव है, परन्तु एडीसन बिल्कुल चिन्तित नहीं थे। उन्होंने कठिन और कठिनतर कार्य किया। उन्होंने बहुतेरे प्रयोग किये परन्तु सभी असफल रहे, लेकिन उन्होंने आशा नहीं छोड़ी। वे सोचते थे, लोगों को किए गए अपने वायदे को मुझे पूरा करना है'' और उन्होंने अधिक कठिन परिश्रम किया। वे समय के साथ दौड़ रहे थे। लगभग बारह सौ प्रयोगों के करने के बाद अन्त में वे बिजली का बल्ब बनाने में सफल हुए। वर्ष 1880 में नए वर्ष के दिन, उन्होंने तथा उनके कर्मचारियों ने अपनी प्रयोगशाला में विद्युत का प्रकाश किया। सारे अमेरिका से भद्रजन उस शानदार दृश्य को देखने आये। एडीसन ने लोगों के प्रति अपने वादे को पूरा किया। 4 सितम्बर, 1882 के दिन लोगों ने पहली बार न्यूयॉर्क को विद्युत की चमचमाती रोशनी में जगमगाते देखा।

प्रथम विश्वयुद्ध (1914-18) के दौरान एडीसन ने अपने देश की सेवा की। उन्होंने युद्ध काल में 40 खोजें कीं और उनकी सेवाओं के लिए उन्हें एक मैडल प्रदान किया गया। वर्ष 1929 में, विद्युत बल्ब के आविष्कार की रजत जयन्ती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका स्वागत किया और एक बड़े समारोह में उन्हें सम्मानित किया। एडीसन समारोह में राष्ट्रपति को धन्यवाद देने के लिए उठे परन्तु अचानक बीमार पड़ गये। उनकी बीमारी बिगड़ गई और रविवार की सुबह 18 अक्टूबर, 1931 को उनका निधन हो गया। इस प्रकार ऐसे एक मनुष्य के महान और घटनापूर्ण जीवन का अन्त हो गया, जिसने मानव-जीवन को खुशियों से भर दिया। एक बार उन्होंने कहा था, ''मैं कोई ऐसी चीज आविष्कृत नहीं करूँगा जो जीवन को नष्ट करे। मैं लोगों को आनन्दमय करना चाहता हूँ।'' उन्होंने यह भी कहा, ''संसार बहुत अधिक देर तक अँधेरे में रहा है। मैं दुनिया को अधिक खुशी और अधिक रोशनी देना चाहूँगा।'' उन्होंने अपने वचन को निभाया। उनके ग्रामोफोन ने हमें अधिक हँसी-खुशी दी है और उनके विद्युत बल्ब ने हमें अधिक रोशनी दी है। हम इस महान विज्ञानवेत्ता के ऋणी हैं और रहेंगे। संसार को और अधिक वैज्ञानिकों की अभी आवश्यकता है जो खुशी, आराम, समृद्धि और लोगों को सुरक्षा प्रदान कर सकें। वैज्ञानिकों के आविष्कार जनता के कल्याण के लिए हों; न कि विनाश के लिए।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (a), **3.** (c), **4.** (a).

II. Read the following sentences and say whether they are True or False :

1. T, **2.** T, **3.** T, **4.** T, **5.** T.

III. Answer the following questions :

1. Thomas Alva Edison was born in America. He wanted to know new things. He loved experiments right from his childhood. He was a good observer and asked many questions. He was very hardworking.

2. Edison asked his teacher, "Madam, why can't man fly like birds?" He was not satisfied with her answer.

3. The other students of the class laughed to hear Edison's question : "Kites have no wings and yet we can fly them in the sky." The teacher became angry when the class-room was filled with loud laughter.

4. When Edison saw a bird picking up worms in its beak, he thought that the bird is able to fly because it eats worms.

5. Edison told his servant girl that if she drank his mixture, she could fly like a bird. She drank it and fell ill.

6. His mother encouraged and helped him in his experiments and also warned him when he committed mistakes. This way, she was Edison's best teacher.

7. Edison invented gramophone and electric light.

8. After twelve hundred experiments, Edison succeeded in inventing the electric light.

Language Skill Practice

IV. Use the following words in your own sentences so as to make their meanings clear :

1. Teachers **encourage** goodstudents to do better.

2. Good students **take up** tough challenges.

3. Edison was always **curious** to know and understand new things.

4. One must not back up from one's promise.

5. The teacher could not **satisfy** young Edison in the class.

6. Edison, in his later days, became both famous and **prosperous.**

V. Now, pick out the nouns from the following sentences and write their functions in each sentence :

1. horse, subject of a verb.
tree, object of a preposition.

2. Shweta, subject of a verb.
monitor, complement of a verb, class, object of a preposition.

3. Virat, subject of a verb.

4. book, complement of a verb.
pages, object of a preposition.

5. Boys, nominative of address.
principal, object of a preposition.

monitor, complement of a verb.
class, object of a preposition.

Activity Time

VI. Word Quiz : How many 5 letter words can you unscramble?

(a) OOSGE	**GOOSE**	(b) EHVAY	**HEAVY**
(c) IHNTK	**THINK**	(d) DRIAO	**RADIO**
(e) DROLW	**WORLD**	(f) NEMOY	**MONEY**
(g) AZPZI	**PIZZA**	(h) PNAIO	**PIANO**
(i) IBNRG	**BRING**	(j) GSUSE	**GUESS**
(k) SEKAN	**SNAKE**	(l) OOGLI	**IGLOO**

9. The Dishonest Watchman

हिन्दी अनुवाद

बहुत पहले, एक अमीर व्यक्ति रहता था। उसके पास एक सुन्दर बाग था जिसमें सर्वोत्तम फल उगते थे। हालांकि वह शहर में रहता था, लेकिन बाग शहर से काफी दूर था। वहाँ से गुजरते हुए लोग हमेशा सर्वोत्तम फल तोड़ लेते थे क्योंकि बाग की देख-भाल करने के लिए कोई चौकीदार नहीं था। इसलिए उसने बाग की देख-भाल करने के लिए एक चौकीदार रख लिया। अमीर आदमी कंजूस था, वह चौकीदार को बहुत कम धन देता था। चौकीदार को अपने जीवन-निर्वाह के लिए पर्याप्त धन नहीं मिल पाता था। इसलिए वह सर्वोत्तम फलों को तोड़ लेता था, कुछ स्वयं खा लेता था और बाकी को बेच देता था।

जब आदमी फलों को एकत्रित करने के लिए पहुँचा, उसने सदा ही सर्वोत्तम पके हुए फलों को गायब पाया।

''कौन सारे फलों को तोड़ लेता है?'' उसने चौकीदार से पूछा, ''मैं नहीं जानता। आपके नौकर प्रति सप्ताह फल इकट्ठा करते हैं। शायद वे स्वयं सर्वोत्तम फलों को चुराते हैं। उनके अतिरिक्त यहाँ कोई नहीं आता,'' चौकीदार ने कहा।

''तुम स्वयं चोर हो,'' मालिक ने कहा। उसने चौकीदार को निकाल दिया और उसके स्थान पर दूसरे को रख लिया।

''उम्मीद है कि यह चौकीदार ईमानदार होगा,'' अमीर आदमी ने अपनी पत्नी से कहा।

उसकी पत्नी ने उत्तर दिया, ''मुझे नहीं लगता। तुम्हें एक ईमानदार चौकीदार नहीं मिलेगा क्योंकि तुम कम पेसे देते हो।''

वह सही थी। बाग में सर्वोत्तम फल दोबारा गायब थे। नया चौकीदार भी बेईमान था।

''सभी आदमी बेईमान हैं। इसलिए मुझे औरत को रखना चाहिए,'' आदमी ने कहा। तब उसने बाग की देखभाल करने के लिए एक औरत को नौकरी पर रख लिया। लेकिन सर्वोत्तम फल अब भी गायब थे। औरत ने वे सब चुरा लिए, कुछ स्वयं खा लिए और बाकी अपने पति, बच्चों और उनके मित्रों को दे दिए। इसलिए अमीर आदमी ने औरत को भी नौकरी से निकाल दिया।

''अब मुझे क्या करना चाहिए? एक ईमानदार आदमी या एक ईमानदार औरत पाना काफी कठिन प्रतीत होता है,'' उसने स्वयं से कहा। उसी समय उसने दो आदमियों को वहाँ से

गुजरते हुए देखा। उनमें से एक अँधा था और दूसरा लँगड़ा था। तब एक अच्छा विचार उसके दिमाग में आया। उसने स्वयं से कहा, ''अँधा आदमी फलों को देख नहीं सकता और लँगड़ा आदमी पेड़ों पर लगे फलों तक पहुँच नहीं सकता इसलिए वे मेरे फलों को चुरा नहीं सकते, लेकिन वे मेरे बाग की देख-भाल कर सकते हैं। अँधा व्यक्ति आवाजों को सुन सकता है और लँगड़े आदमी से चोरों की निगरानी करने के लिए कह सकता है।'' उसने तुरन्त उन दोनों को नौकरी पर रख लिया, और उनसे बाग की देखभाल करने के लिए कहा। वह अपने विचार से बहुत खुश था। वह घर गया और अपनी पत्नी को इसके बारे में बताया।

दोनों आदमी पूरे दिन पूरी रात बाग में ठहरे। वे खाने के लिए भी बाहर नहीं गए। लँगड़ा व्यक्ति चलना नहीं चाहता था क्योंकि यह मुश्किल था। अँधे व्यक्ति ने बाग नहीं छोड़ा क्योंकि वह देखने के योग्य नहीं था। वे इसलिए बहुत भूखे थे। अँधे आदमी ने लँगड़े से कहा, ''बाग के फलों की सुगन्ध बहुत ही मीठी है। क्या हम कुछ तोड़ें और खाएँ?'' लँगड़े आदमी ने उत्तर दिया, ''लेकिन हम फल कैसे तोड़ सकते हैं? तुम अँधे हो और देख नहीं सकते हो, मैं लँगड़ा हूँ और उन तक पहुँच नहीं सकता हूँ। इसलिए हम दोनों ही असहाय हैं।''

''लेकिन हम एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं,'' अँधे आदमी ने उत्तर दिया। ''कैसे?'' लँगड़े आदमी ने पूछा। ''तुम मेरे कंधों पर बैठ जाओ और मुझे रास्ता बताओ। मैं तुम्हें फलों वाले वृक्ष पर ले जाऊँगा। तब तुम फल तोड़ सकते हो और हमें अच्छा भोजन मिलेगा।''

''क्या बढ़िया विचार है!'' लँगड़े आदमी ने कहा। जब वह अगली बार अपने बाग में आया, अमीर आदमी यह देखकर बहुत चौंक गया कि किसी भी पेड़ पर कोई भी फल नहीं था। इसलिए उसने चौकीदारों को तुरन्त नौकरी से निकाल दिया। उसने और अधिक आदमी या औरत चौकीदार नहीं रखने का निश्चय किया। उस दिन से वह बाग की देखभाल स्वयं करने लगा।।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (c), **5.** (c).

II. Tick (✓) the correct word :

1. watchmen, **2.** lame, **3.** very, **4.** town, **5.** dishonest.

III. Answer the following questions :

1. People passing by always picked ripe fruits from rich man's garden as there was no watchman to look after it so, he hired a watchman to look after the it.

2. The rich man dismissed both the watchmen because they were dishonest and ate all his fruits.

3. The woman was not honest. She stole all the best fruits, ate some herself and gave the rest to her husband, children and their friends.

4. The rich man hired the blind man and lame man to look after the garden because the blind man could not see the fruits and the lame man could not reach them tree. So they could not steal his fruits but could watch his garden.

5. The lame man sat on the shoulders of the blind man and told him the way. The blind man took lame men to the fruits trees. Then the lame man picked the fruits and they had a good meal.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

h**u**ngr**y**, bl**i**n**d**, s**h**oul**d**ers, l**a**m**e**, h**i**re, en**ou**g**h**, d**i**sm**i**ss, m**i**s**e**r.

V. Match the related words as used in the text :

rich	man
ripe	fruits
little	money
dishonest	watchman
rather	difficult

Activity Time

VI. Fill in the blanks with the words given in the box :

Once there lived a **miser.** How can I make money? This was his **thought** all the time. He had only one shirt. Very often he had only one **meal** a day. He spent very little **money**, and kept the **rest** in a hole in the ground.

One day his neighbour asked him, "Why don't you wear a clean shirt?"

"I don't have **enough** money to buy one," said the miser.

Every night the miser went to the hole and looked at his money. After this, he covered it up with stone.

The neighbour was **watching** the miser all the time. One night the miser moved the stone and looked in. He had the **shock** of his life. All his money was **missing.**

10. The Cruel Bishop

हिन्दी अनुवाद

एक बार जर्मनी में एक निर्दयी पादरी रहता था। उसका नाम हैटो था। वह बहुत ही अमीर था। पादरी सामान्यतया धार्मिक व्यक्ति होते हैं, जो ईश्वर से प्रेम करते हैं और गरीबों की सेवा करते हैं। लेकिन हैटो गरीबों से उनकी गरीबी के लिए घृणा करता था। वह सारा भोजन और सोना जो उसे मिलता था, जमा करता रहता और वह अपनी सम्पत्ति पर बहुत घमण्ड करता था। ऐसी बहुत सारी कहानियाँ हैं, जो हमें उसकी निर्दयता के बारे में बताती हैं। लेकिन यह सबसे अधिक दर्दनाक कहानी है जो हमें उसकी मृत्यु के बारे में बताती है।

जर्मनी में एक बहुत बड़ा अकाल पड़ा। हजारों गरीब नागरिक भूख से मर गए। यहाँ तक कि अमीरों के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं था। हैटो जिसका खलिहान अनाज से भरा हुआ था, उसमें से कुछ भी उसने भूख से मर रहे लोगों को नहीं दिया। इसके बजाय, उसने अपने अनाज को ऊँचे दाम पर बेचा।

एक दिन भूख से तड़प रहे आदमियों, औरतों और बच्चों की एक भीड़ पादरी के महल पर गयी और उससे कुछ अनाज उन्हें देने की दया याचना की। हैटो उन पर मुस्कराया और

बोला, ''तुम सब मेरे बड़े खलिहान में इकट्ठे हो जाओ और जितना चाहते हो उतना अनाज ले जाओ।''

बिशप का खलिहान एक बहुत बड़ा भवन था। भूखे लोगों की भीड़ उसके चारों ओर इकट्ठी हो गयी और बेचैनी से उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। जब पादरी आया, उसने कहा, ''जाओ और अनाज ले लो।'' लोग अधिकाधिक अनाज लेने के लिए तेजी से भीतर घुस गए। लेकिन खलिहान में जरा भी अनाज नहीं था। जिस समय वे खलिहान के अन्दर थे, हैटो ने अपने आदमियों को दरवाजा बंद करके इमारत को आग लगाने को कहा। हैटो के आदमियों ने आदेश का पालन किया। खलिहान को आग लगा दी गयी। आदमी, औरतें और बच्चे अन्दर डर से चीखने, चिल्लाने और जोर-जोर से रोने लगे। उन्होंने पादरी से दरवाजा खोलने की दया याचना की, लेकिन वह क्रूरता से बोला, ''तुम भूख के कारण और अधिक कष्ट नहीं भोगोगे।'' वह अपने आदमियों की ओर मुड़ा और बोला, ''ये चूहे हैं जो हमारा अनाज खाते हैं। इसलिए इन्हें मरने दो।'' निर्दयी पादरी उन्हें आग से जलकर मरने के लिए छोड़कर अपने महल वापस आ गया।

आधी रात को, उसने जोर से चिल्लाना और चीखना सुना और उठ गया। जब उसने खिड़की से बाहर देखा, वह यह देखकर चकित रह गया कि चूहों की एक बड़ी भीड़ तेजी से उसके महल की ओर आ रही थी। वे सब दिशाओं से आ रहे थे और प्रत्येक कमरे में भर गए। कुछ ही क्षणों में वे जो भी घर में था सबकुछ खा गए। फिर वे पादरी की ओर दौड़े। यहाँ तक कि पादरी के नौकर भी उन्हें रोक नहीं सके। वे युद्ध में एक बड़ी सेना जैसे थे।

पादरी दौड़कर घर से बाहर आ गया और राइन नदी पार करके एक मीनार पर चढ़ गया जो कि नदी किनारे एक पहाड़ी पर स्थित थी। उसने दरवाजा बन्द कर लिया और स्वयं से कहा, ''चूहे यहाँ नहीं आ सकते हैं, क्योंकि वे नदी पार नहीं कर सकते हैं। अगर कुछ ने तैरकर नदी पार कर ली, तो वे इन मोटी पत्थर की दीवारों में छेद करने योग्य नहीं हैं।''

लेकिन हैटो गलत था। अगली सुबह जब वह नींद से जागा तो उसने पाया कि मीनार चूहों से पूरी भरी हुई है। उसने बाहर देखा। चूहे मीनार के अन्दर, बाहर पहाड़ी पर और नदी में सब जगह थे। अगले क्षण वे सब उसके ऊपर थे। अगले दिन उसके नौकर उसे देखने के लिए आए यहाँ तक कि उसकी हड्डियाँ भी मीनार में नहीं दिखीं। यह निर्दयी पादरी का अन्त था।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (b), **4.** (c).

II. Cross (✓) the wrong word :

1. people, **2.** kind, **3.** hate, **4.** low, **5.** gold.

III. Answer the following questions :

1. Hatto was different from other bishops because bishops usually pray to God and serve the poor but he hated poor people for their poverty.

2. When the famine broke out in Germany, thousands of poor people died due to hunger.

3. When the hungry people gathered inside the barn, the bishop ordered his men to shut the door and set the building on fire.

4. In the middle of the night, bishop heard screams and woke up. He looked out of the window and was shocked to see that a large crowd of rats were rushing towards his palace.

5. The next morning, the tower was full of rats. They were all over the bishop and ate him up. His servants did not find even his bones. That was the punishment of the cruel bishop at last.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

femene	**famine**	tover	**tower**	shreiked	**shrieked**
pethatic	**pathetic**	scraemed	**screamed**	houled	**howled**

V. Write one word for each :

1. Bishop, **2.** River, **3.** Barn, **4.** Tower, **5.** Famine.

Activity Time

VI. Fill in the blanks using the words given in the box below :

1966 and 1967 were **dry** years for some parts of our country. They got no rain **at all**, and the fields were **famine** for several months together. The **farmers** lost all their crops. So the prices of **grains** rose very high. Some traders had stored the grains in their **barns.** They made a **huge** profit.

11. My Heaven

हिन्दी अनुवाद

जहाँ बुद्धि निर्भीक हो
तथा मस्तक ऊँचा उठा हो;
जहाँ ज्ञान मुक्त हो;
जहाँ का मानव-समाज खण्ड-खण्ड न टूटा हो;
संकीर्ण आन्तरिक दीवारों से;
जहाँ शब्द सत्य की गहराई से निकलें;
जहाँ अथक उद्यम अपनी भुजाएँ
पूर्णता (सिद्धि) की ओर बढ़ाये;
जहाँ विवेक बुद्धि की निर्मल धारा मार्ग में लुप्त न हो गई हो;
मृत स्वभाव सरीखे मरु-भूमि के रेत में;
जहाँ बुद्धि (हे प्रभु) तेरे द्वारा आगे-आगे
नित्य विस्तीर्ण विचार एवं कर्म में ले जाई जाये;
हे मेरे परमपिता, स्वतन्त्रता के उस स्वर्ग में
मेरा देश जगे।

—गीतांजलि (आर०एन० टैगोर)

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (d), **2.** (d), **3.** (d).

II. Explain the following :

1. According to the poet the reason should prevail over dead habit. The conservative and dogmatic people dislike reason and common sense. He says that the river of reason should not be lost in the desert of conservatism.

2. The poet wishes God to guide the Indians to be dynamic, active and progressive.

III. Answer the following questions :

1. Tagore wishes for India to be an independent country and the Indians strong and reasonable men of action.

2. He wrote this poem before Independence.

3. Tagore believed that communalism is bad as it makes a country weak by dividing it along dogmatic thoughts.

4. Tagore wants that Indians should be proud of their culture but not conservative as such people may hate other cultures and religons.

5. Yes, Tagore believes in God. The words 'Thee' and 'My Father' are addressed to God, the Almighty.

6. Yes, I appreciate the poem as it teaches us to be patriotic and cosmopolitan, fearless and truthful, and learned and reasonable.

Language Skill Practice

IV. Now, change the following sentences as directed :

1. May God help you! **2.** Never get up late.

3. She always tells a lie. **4.** It is joyful that we have won the race.

5. We do not live in the heart of the city.

6. May you live long! **7.** Wash your clothes.

8. Alas! He has lost his only son. **9.** Have you spent a lot of money?

10. They will stay here for a long time.

Activity Time

Things to Remember

VI. Can you kick the soccer ball and score a goal? Use each hint to write a word that is only one letter different than the word above it :

TALL, TAIL, SAIL, SOIL, COIL, COAL.

12. Snow White and the Seven Dwarfs

हिन्दी अनुवाद

स्नो ह्वाइट एक राजा की पुत्री थी। उसकी त्वचा बर्फ के समान सफेद थी इसलिए उसके माता-पिता उसे 'स्नो ह्वाइट' कहते थे। वह सुंदर कन्या थी।

जब वह बहुत छोटी थी, उसकी माँ का देहांत हो गया और राजा ने दोबारा शादी कर ली। स्नो ह्वाइट बड़ी होकर सुंदर कन्या बनी। नई रानी स्नो ह्वाइट की सुन्दरता से बहुत ईर्ष्या करती थी, क्योंकि वह अपनी सुन्दरता पर बहुत घमण्ड करती थी। उसके कमरे में एक जादुई दर्पण था। प्रतिदिन वह दर्पण के सामने खड़ी होती थी और यह पूछती थी संसार में सबसे अधिक सुन्दर स्त्री कौन है। दर्पण हमेशा उत्तर देता था कि वह संसार में सबसे अधिक सुन्दर है। यह उसे बहुत प्रसन्नता देता था।

मगर स्नो ह्वाइट अपनी सौतेली माँ से अधिक आकर्षक दिखती थी। एक दिन उसकी सौतेली माँ ने अपने जादुई दर्पण से पूछा,

''दीवार के छोटे दर्पण, हम सब में अधिक सुन्दर कौन है?''

दर्पण ने उत्तर दिया,

''कृपालु रानी आप प्रभावशाली और लम्बी हो, लेकिन स्नो ह्वाइट आप सबसे अधिक सुन्दर है।''

यह सुनकर, रानी बहुत क्रोधित हुई। उसने अपने सेवकों में से एक से कहा स्नो ह्वाइट को जंगल ले जाओ और उसे मार दो। दयालु हृदय वाले सेवक ने उसे जंगल में छोड़ दिया, लेकिन उसे मारा नहीं। उसने उसे वहाँ इसलिए छोड़ दिया ताकि रानी सोचे कि वह मर गई है।

स्नो ह्वाइट पूरे दिन रोते हुए जंगल में इधर-उधर घूमती रही। शाम को उसने पहाड़ी पर एक छोटा घर देखा। चूँकि उसे शरण चाहिए थी, उसने दरवाजा खोला और अन्दर घुस गयी। वह घर सात बौनों का था जो पहाड़ों से चाँदी खोदते थे। जब वे देर शाम को घर लौटे, उन्होंने स्नो ह्वाइट को अपने एक बिस्तर पर लेटे हुए पाया। उन्होंने उसकी सुन्दरता को देखा और कहा, ''यह बहुत प्यारी लड़की है।''

स्नो ह्वाइट अपने बिस्तर के चारों ओर खड़े और स्वयं को देखते हुए बौनों को देखकर डर गई। बौनों ने कहा, ''ओ' प्यारी लड़की, डरो मत। कृपया हमें अपने बारे में बताओ।'' तब उसने अपने बारे में सब कुछ उन्हें बता दिया। जब उन्होंने उसकी कहानी सुनी, उन्हें उस पर दया आ गई और उसे अपने घर में ठहरने दिया।

स्नो ह्वाइट की सौतेली माँ स्नो ह्वाइट को मरा सोचकर बहुत खुश थी। एक दिन उसने अपने दर्पण से पूछा,

''दीवार के छोटे दर्पण,

हम सब में सबसे अधिक सुन्दर कौन है?''

दर्पण ने उत्तर दिया,

''कृपालु रानी, आप अधिक शानदार और लम्बी हो, स्नो ह्वाइट तुम सब में सबसे अधिक सुन्दर है।'' तब रानी ने दर्पण से पूछा वह कहाँ है तो दर्पण ने कहा कि वह सात बौनों के घर में है।

जैसे ही रानी ने यह सुना, उसने उसे मारने की योजना के बारे में सोचना शुरू किया। उसने एक बूढ़ी स्त्री का रूप धरा और एक जहरीला कंघा लेकर सात बौनों के घर पहुँच गयी। उसने स्नो ह्वाइट को बाहर आने के लिए कहा ताकि वह उसके सुन्दर बालों को कंघी कर सके। उसने सुन्दर कंघा उसके बालों में लगाया। स्नो ह्वाइट बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी और दुष्ट रानी वापस घर दौड़ आयी।

जब सात बौने काम से घर वापस आए, उन्होंने स्नो ह्वाइट को घर के सामने बेहोश पड़ा पाया। उन्होंने जहरीला कंघा उसके बालों से बाहर निकाला और उसे होश आ गया। उन्होंने बूढ़ी स्त्री के आने के बारे में सुना और स्नो ह्वाइट से कहा जब वे न हों घर से बाहर न निकले।

जल्दी ही रानी को पता चला कि स्नो ह्वाइट अभी भी जिन्दा है। इस बार उसने एक जहरीला सेब लिया और सात बौनों के घर पहुँच गयी। अब उसने किसान की पत्नी का रूप धर रखा था। उसने स्नो ह्वाइट को लाल और सफेद सेब दिखाया। जब स्नो ह्वाइट ने सेब देखा, वह बाहर आयी और सेब ले लिया। जैसे ही उसने अपने मुँह से सेब को चखा, वह मरकर नीचे गिर गयी।

शाम को जब सात बौने घर लौटे और उन्होंने स्नो ह्वाइट को जमीन पर मरे हुए पड़े पाया। उन्होंने उसको जीवित करने के लिए हर सम्भव प्रयास किया, परन्तु सफल नहीं हुए। अन्त में उन्होंने काँच का एक ताबूत बनाया और उसको उसके अन्दर रख दिया। उन्होंने उसे गाड़ा नहीं, मगर ताबूत की देखभाल की।

कुछ दिन पश्चात् एक राजकुमार उनकी ओर आया और उसने ताबूत अपने पास रखने के लिए बौनों से पूछा। बौनों ने राजकुमार को ताबूत ले जाने दिया। रास्ते में वह घोड़ा जिस पर ताबूत लदा था, लड़खड़ाकर गिर गया। सेब का टुकड़ा जो कि स्नो ह्वाइट के मुँह में था, बाहर आ गया और उसने अपनी आँखें खोल दीं। राजकुमार उसे जीवित देखकर बहुत खुश हुआ और उसने उसे अपनी दुल्हन बनाने का वचन दिया।

जब रानी ने सुना कि स्नो ह्वाइट एक राजकुमार की दुल्हन बन गयी है, वह क्रोध और ईर्ष्या के कारण पागल सी हो गई, उसने जहर खा लिया और आत्महत्या कर ली।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (c), **4.** (b).

II. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. (✗), **2.** (✗), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (✗).

III. Answer the following questions :

1. Snow White was the daughter of a king. Her skin was as white as snow, so her parents called her 'Snow White'.

2. The queen was jealous of Snow White's beauty, as she was very proud of her own beauty.

3. The queen ordered her servant to take Snow White to the forest and kill her.

4. Snow White went around in the forest weeping all day. In the evening she found a small house on the hill side. The house belonged to seven dwarfs.
5. To kill Snow White, the queen dressed herself in the attire of herself an old woman, took a poisoned comb with her and arrived at the Seven Dwarf's house. She asked Snow White come out and stuck the poisoned comb in her hair. But the seven dwarfs revived her.
6. Few days later after Snow White was put in coffin, a prince came the dwarfs' way and asked them to let him have the coffin. On the way the horse which was carrying the coffin stumbled. The piece of apple in Snow White's mouth came out and she opened her eyes.
7. When the queen heard that Snow White has became a bride of prince, she became so sad with jealousy that she took poison and committed suicide.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

jealus	**jealous**	daughtar	**daughter**	mirrar	**mirror**
cofeen	**coffin**	sanceless	**senseless**	beauteful	**beautiful**

V. Match the related words :

dwarf	a very short person
coffin	a box for a dead body
prettiest	fairest
mirror	a looking glass
bride	a newly married woman
arrived	reached
senseless	unconscious
returned	came back

Activity Time

VI. Complete the paragraph. Choose words from the lesson to fill in the blanks :

Snow White was more beautiful than her **step** mother. Her stepmother was very **jealous** of her. She wanted to **kill** her, but she could not **succeed** in killing her. At last, a prince made Snow White his **bride.** The queen consumed **poison** and killed herself.

13. The Proud Scholar

हिन्दी अनुवाद

एक समय की बात है, एक विद्वान रहता था, जिसका नाम ब्रह्म देव था। वह वास्तव में एक ज्ञानी व्यक्ति था और लोग उसकी प्रशंसा करते थे। एक बार उसे व्याख्यान देने के लिए दूसरे शहर जाना था। अपने गंतव्य स्थान पर पहुँचने के लिए उसे यमुना नदी पार करनी थी।

ब्रह्म देव ने अपने गंतव्य पर पहुँचने के लिए एक नाव किराए पर ली। नाव छोटी थी, नदी चौड़ी थी और नदी की धारा का प्रवाह कुछ तेज था। नाविक नाव धीरे-धीरे खे रहा था।

ब्रह्म देव यद्यपि ज्ञानी था, पर एक घमण्डी व्यक्ति था और प्राय: अपने ज्ञान की डींगें मारता था। वह चुप नहीं रह पाया और उसने नाविक के साथ बातचीत आरंभ की।'' क्या तुमने कभी इतिहास पढ़ा है?'' उसने पूछा।

''नहीं, श्रीमान्,'' नाविक ने कहा। ''मैंने कभी इतिहास नहीं पढ़ा।''

''कितने दु:ख की बात है,'' विद्वान ने कहा, ''तुमने सारी महत्त्वपूर्ण और रोचक बातों से स्वयं को वंचित रखा जिनको कोई इतिहास की पुस्तकों में पढ़ सकता है। उनमें प्रसिद्ध युद्धों और प्राचीन राजाओं के विषय में कहानियाँ हैं। इतिहास हमें पाषाण युग के बारे में बताता है। यह बताता है कि पहले लोग कैसे रहते थे और क्या खाते थे। इतिहास वास्तव में अत्यधिक रोचक विषय है।''

नाविक लगातार नाव चलाता रहा। विद्वान अपने विचारों में खो गया, अचानक उसने कहा, ''तुमने भूगोल तो पढ़ा ही होगा?'' ''नहीं श्रीमान्, मैंने कभी लिखना और पढ़ना नहीं सीखा,'' नाविक ने कहा। ''भूगोल महाद्वीपों, पर्वतों और नदियों का ज्ञान देता है। यह ज्ञान हमें धातुओं, मसालों, खनिजों और कीमती पत्थरों के स्रोतों के बारे में बताता है,'' ब्रह्म देव ने कहा। ''लेकिन तुम्हें इतिहास और भूगोल का कोई ज्ञान नहीं है,'' विद्वान ने जारी रखा, ''तुमने अपना जीवन बेकार कर दिया।''

नाविक चुप रहा और नाव खेता रहा। कुछ समय पश्चात् विद्वान ने कहा, ''क्या तुमने विज्ञान पढ़ा है?'' नाविक जो कि अब उसके प्रश्नों से ऊब चुका था, फिर भी उसने नम्रतापूर्वक उत्तर दिया, ''नहीं श्रीमान्, बिल्कुल नहीं।'' ''तो तुम सच में विज्ञान के बारे में कुछ नहीं जानते हो?'' विद्वान ने पूछा। ''ठीक है मैं तुम्हें विज्ञान के आश्चर्यों के बारे में कुछ बताता हूँ। आज विश्व में वैज्ञानिक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति समझे जाते हैं। विज्ञान की पढ़ाई हमें सूर्य, वर्षा, चन्द्रमा, ब्रह्माण्ड आदि के बारे में बताती है। मुझे बहुत खेद है कि तुम इस सब के बारे में कुछ नहीं जानते हो,'' घमण्डी विद्वान ने कहा। ''तुम्हारा जीवन पूरी तरह से व्यर्थ है।''

नाविक ने कुछ नहीं कहा परन्तु नाव खेना जारी रखा। काले और घने बादल आसमान में छा रहे थे। तूफान क्षितिज पर था और नाव को अभी एक लम्बी दूरी पार करनी थी।

नाविक ने यह महसूस करते हुए कि तूफान आने वाला है विद्वान से कहा, ''श्रीमान्! क्या आप ये काले बादल देख रहे हैं? तूफान आ रहा है।''

नाविक के मुँह से शब्द निकले ही थे भारी बारिश शुरू हो गयी और नाव बुरी तरह हिलने लगी। ''क्या आप तैरना जानते हैं?'' नाविक ने पूछा। डरा हुआ विद्वान बोला, ''मेरे प्रिय, मैं तैरना नहीं जानता।'' ''ठीक है,'' नाविक ने कहा। ''तुमने सब कुछ सीखा परन्तु तैरना नहीं सीखा। तुम्हें अपने ज्ञान पर बहुत घमण्ड था, लेकिन अब तुम्हारा जीवन खतरे में है। एक व्यक्ति सब कुछ नहीं सीख सकता, श्रीमान्'' नाविक ने विद्वान से कहा।

ब्रह्म देव को स्वयं पर शर्म आ रही थी क्योंकि, उसने नाविक का मजाक उड़ाया था। उसने कहा, ''कृपया मुझे यहाँ से सुरक्षित निकालें। मैं सदा आपका कृतज्ञ रहूँगा।''

नाविक ने ब्रह्म देव की सुरक्षित नदी पार करने में मदद की। विद्वान को अपने व्यवहार पर बहुत लज्जा महसूस हुई।

''श्रीमान्'', नाविक ने कहा, ''आपका ज्ञान ही आपका खजाना है। संसार को इससे रोशनी दें, लेकिन कृपया कभी भी इस पर घमण्ड मत करिए और जो व्यक्ति इसे नहीं रखता है, उसका मजाक मत उड़ाइए।''

''आपका बहुत-बहुत धन्यवाद,'' ज्ञानी विद्वान ने कहा। वास्तव में उसके पास कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं थे। नाविक ने उसे जीवन का पाठ पढ़ा दिया था।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (b).

II. Tick (✓) the correct word :

1. scholar, **2.** proud, **3.** boatman, **4.** History, **5.** Geography.

III. Answer the following questions :

1. Brahma dev was going to another town to deliver some lectures.

2. The boatman was rowing slowly as the boat was small, the river wide and the current of river was quite fast.

3. The scholar told the boatman that history contains information about famous battles and the ancient king. It also and tells us about the stone age, how people live long ago and what they ate.

4. According to the scholar, Geography provides knowledge of continents, mountains and rivers and inform us about the sources of metals, spices minerals and precious stones.

5. The boatman was deprived of the knowledge about the important and interesting things that one reads in history books.

6. The scholar asked the boatman to help him to swim get across safely.

7. From this story, we learnt that we should never feel proud of our knowledge and make other feel ashame. Our knowledge is our treasure. We should enlighten the world with it.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

concequantly	**consequently**	scolar	**scholar**	taut	**taught**
delever	**deliver**	gratetude	**gratitude**	noledge	**knowledge**
ashemed	**ashamed**	anceint	**ancient**		

V. Match the related words :

learned person	**scholar**
conversing	**talking**
precious	**valuable**
fed up	**tired**
utterly	**completely**
frightened	**afraid**

Activity Time

VI. Fill in the blanks with the words given below in the box :

1. utter, **2.** fed, **3.** gratitude, **4.** deprived, **5.** continued, **6.** realise, **7.** utterly, **8.** worth.

14. William Tell

हिन्दी अनुवाद

बहुत समय पहले, यूरोप में एक बहुत सुन्दर देश स्विट्जरलैण्ड, ऑस्ट्रिया के ड्यूक के क्रूर शासन के अन्तर्गत था। ऑस्ट्रियावासी, स्विस लोगों पर क्रूरतापूर्वक अत्याचार करते थे। बाजार के चौक में, ड्यूक की टोपी एक लम्बे खम्भे पर रखी गयी थी। कई ऑस्ट्रियाई सिपाही वहाँ खड़े रहते थे। जो भी वहाँ से गुजरता, उसे ड्यूक की टोपी को सलाम करना पड़ता था। सिपाही इस बात को सुनिश्चित करते थे कि सभी ड्यूक की टोपी को आदर प्रदर्शन के लिए सिर झुकाएँ।

उन दिनों, स्विट्जरलैण्ड में विलियम टैल नामक बहादुर आदमी रहता था। वह एक बहुत अच्छा धनुर्धर और बहुत कुशल नाविक था। एक दिन विनियम टैल अपने दस वर्ष के पुत्र के साथ बाजार चौक को जा रहा था। अचानक एक सिपाही ने उसे बाँह से पकड़ लिया। टोपी को ''सलाम करो,'' सिपाही ने गुस्से में कहा। तुरन्त ही टैल को चारों ओर से भीड़ द्वारा घेर लिया गया। ''मैंने कुछ भी गलत नहीं किया।'' टैल ने सिपाहियों से शान्तिपूर्वक कहा।

''लेकिन तुमने ड्यूक की टोपी को सलाम नहीं किया,'' सिपाही ने कहा, ''आओ, अब सलाम करो!''

टैल ने इनकार किया और कहा, ''मैं खम्भे के अन्त पर खाली टोपी के सामने आदर से क्यों झुकूँ?'' सिपाही अति क्रोधित हो गए और उसे शहर के गवर्नर के पास ले गए। गवर्नर गैसलर नाम का एक ऑस्ट्रियाई तानाशाह था। ''आदमी ड्यूक की टोपी को सलाम करने से इनकार कर रहा है'', सिपाहियों ने गवर्नर से कहा। गवर्नर ने सिपाहियों से विलियम टैल के पुत्र को कुछ दूरी पर एक पेड़ से बँधवाया और एक सेब उसके सिर पर रखवा दिया।

''यह किसलिए?'' टेल ने पूछा।

''मैंने सुना है तुम एक कुशल धर्नुधर हो,'' गैसलर ने उत्तर दिया, ''मैं तुम्हारा कौशल देखना चाहता हूँ। यदि तुम तीर से निशाना लगाकर, सेब के टुकड़े कर सकते हो, तो मैं तुम्हें तुम्हारा जीवन दे दूँगा। यदि तुम असफल होते हो या निशाना लगाने से इनकार करते हो, तो तुम मरोगे!''

टैल की आँखें गुस्से से चमकने लगी।

''मुझे धनुष दो,'' उसने शांति से कहा। उसने अपने तरकश से दो तीर निकाले और एक को अपनी कमर की पेटी में लगाया। उसने तब अपना सिर उठाया और निशाना लगाया। ट्वैश! तीर तेजी से आगे बढ़ा और सेब को दो भागों में काट दिया। अगले ही क्षण, लोगों ने सेब के दोनों टुकड़ों को बेटे के दोनों ओर गिरते देखा।

''हुर्रा!'' वे चिल्लाए।

''यह एक अच्छा निशाना था, देशद्रोही,'' गैसलर बोला, ''लेकिन मुझे यह बताओ। तुमने दो तीर लिए थे, और एक को अपनी पेटी में लगा लिया था। दूसरा किसलिए था?''

''यह मैंने तुम्हारे लिए तैयार रखा था, क्रूर तानाशाह,'' टैल ने उत्तर दिया, ''यदि मैं पहले से असफल रहता!''

''यह एक देशद्रोही बोल रहा है,'' गैसलर ने कहा, ''मैंने तुम्हें नहीं मारने का वचन दिया था और मैं अपना वचन निभाऊँगा। लेकिन तुम अपना बाकी जीवन जेल में बिताओगे।'' गवर्नर का जहाज पास ही की झील में चलने के लिए तैयार खड़ा था। टैल को जंजीरों में जकड़ कर जहाज में ले जाया गया। जहाज ने झील को पार करना आरम्भ किया, लेकिन एक तूफान आ गया और इसको इसके रास्ते से दूर ले गया। गवर्नर का दल खतरे में था। तब उन्हें याद आया कि विलियम टैल इस स्थान में एक सर्वाधिक कुशल नाविक था और उन्होंने यह गैसलर से कहा।

''उसकी जंजीरें हटाओ,'' गवर्नर ने उत्तर दिया, ''और उसे जहाज को वापस करके उसके रास्ते पर लाने की कोशिश करने दो।''

विलियम टैल ने शीघ्र ही जहाज को नियन्त्रण में कर लिया; झील को पार करने की कोशिश के बजाए, उसने जहाज को वापस तट की ओर चलाने लगा। टैल, जोकि अब केवल स्वतन्त्रता की सोच रहा था, जहाज को एक चट्टान के पास ले आया जोकि, झील में था। अगले क्षण, ऑस्ट्रियाइयों ने उसे पहाड़ पर छलांग लगाते और दृष्टि से ओझल होते देखा।

''यदि वे स्वयं को बचा सकते हैं तो बचा लें।'' टैल ने स्वयं से कहा।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (b).

II. Fill in the blanks with the words used in the text :

One day, William, Tell and his son were going to the market **square.** Suddenly a soldier asked him to **salute** the Duke's cap which was put up on a long **pole.** William Tell **refuse** to salute the cap. The soldiers took him to the **governor,** whose name was Gessler. The Governor asked the soldiers to tie William Tell's son to a **tree.** An **apple** was placed on his head. William tell **shoot** an arrow and **split** the apple into two parts.

III. Answer the following questions :

1. The soldiers stood at the market square to make everybody bow down and salute the Duke's cap.

2. The soldiers took William Tell to the Governor because he refused to salute the Duke's cap.

3. Governor asked William Tell to shoot an arrow and split the apple placed on his son's head from specific distance.

4. William Tell stuck one arrow in his belt to kill the governor if he missed his aim with the first one.

5. The Governor's party was in great danger while crossing the lake because a storm broke out and blew the ship off its course.

6. William Tell brought the ship under control but rather than trying to cross the lake, he turned it round and sailed back towards the shore.

From there, he jumped on to the rock and freed himself from the captivity of Austrians.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

furius	**furious**	tirent	**tyrant**	momant	**moment**
distense	**distance**	govener	**governor**	soldeir	**soldier**
trator	**traitor**	skillful	**skilful**		

V. Match the words with their meanings :

tyrant	cruel
salute	bow
nation	country
put up	hanged
immediately	at once
split	broke
stuck	put
rest	remaining

Activity Time

VI. Fill in the blanks with the given in the box below :

1. bowman

2. crossing, course, skilful.

3. peasants, oppressed, nation.

15. Ekalavya and Dronacharya

हिन्दी अनुवाद

यह कहानी एक भील बालक एकलव्य की है। भील आदिवासी या जंगलों में रहने वाले लोग होते हैं। वे जंगलों में छोटे झोपड़ियों में रहते हैं और अपने भोजन के लिए जानवरों और पक्षियों का मांस खाते हैं।

एकलव्य को जंगल के जीवन से प्रेम था जिसमें वह रहता था। वह एक बहादुर बालक था और कभी भी किसी वस्तु से नहीं डरता था। वह पेड़ों पर चढ़ जाया करता था और जानवरों का शिकार करता था।

इसी जंगल में एक गुरु थे जिनका नाम द्रोणाचार्य था जिनके गुरुकुल में देश के राजकुमार शिक्षा प्राप्त करते थे। गुरू राजकुमारों को पढ़ना और लिखना, घुड़सवारी करना, शिकार करना और युद्ध में अस्त्रों का चतुराई से उपयोग करना सिखाते थे। गुरू स्वयं एक महान् धनुर्धर थे और उनके बाणों में बिजली की गति थी। वे अपने लक्ष्य में कभी असफल नहीं होते थे। स्वभाव से, द्रोणाचार्य एक अभिमानी व्यक्ति थे।

एक दिन एकलव्य ने द्रोणाचार्य राजकुमारों को धनुष-बाण से निशाना लगाना सिखाते देखा। एकलव्य निशानेबाजी का अभ्यास देखना चाहता था लेकिन यह सोचकर कि राजकुमार क्रोधित हो सकते हैं, उसने एक पेड़ पर चढ़कर देखने का निश्चय किया।

पेड़ से, उसने देखा द्रोण के बाण हवा में सीटी बजाते हुए जाते हैं और अपने लक्ष्य पर प्रहार करते हैं। बाण पेड़ों से फलों को और आसमान से पक्षियों को नीचे गिरा देते हैं। एकलव्य आश्चर्य से यह देख रहा था, उसने सोचा, ''मैं निश्चय ही द्रोणाचार्य से मुझे सिखाने के लिए कहूँगा। अवश्य ही वे इस संसार में सबसे अच्छे शिक्षक हैं।''

उसी दिन दोपहर में, जब राजकुमार थके हुए थे और आराम कर रहे थे, एकलव्य द्रोण के पास गया और उनसे बोला, ''आदरणीय, गुरु जी, क्या आप मुझे धनुष चलाना सिखाऐंगे?''

द्रोणाचार्य, ने जो कि बहुत अभिमानी थे, उत्तर दिया, ''मैं केवल राजकुमारों को सिखाता हूँ। भाग जाओ।''

एकलव्य अपनी आँखों में आँसू लिए दौड़कर वापस अपने घर आ गया। ''मैं उनसे ही सीखूँगा'' उसने स्वयं से आत्म-विश्वास से कहा।

अगले दिन एकलव्य ने मिट्टी की एक मूर्ति बनाई जो बिल्कुल द्रोण की जैसी दिखती थी और उसको एक पेड़ के नीचे रख दिया। 'यह मेरे गुरू हैं,' उसने स्वयं से कहा, 'अब से यह मुझे सिखाऐंगे' उसने तब अपना धनुष उठाया और एक बाद एक बाण से निशाना लगाना शुरू किया। वृक्ष के नीचे रखी मिट्टी की मूर्ति, उस पर मुस्करा रही थी जो उसे अत्यधिक प्रेरित कर रही थी।

जैसे-जैसे समय बीतता गया, एकलव्य बहुत अच्छी तरह से निशाना लगाना सीख गया। वह कभी अपने निशाने में असफल नहीं होता था और उसके बाणों की गति भी बिजली के समान थी।

एक दिन, जब द्रोण और राजकुमार जंगल में शिकार करने में व्यस्त थे, उनका कुत्ता उनसे दूर भाग कर वहाँ पहुँच गया जहाँ एकलव्य अपने धनुष-बाण के साथ अभ्यास कर रहा था, वह उस पर भौंका, लेकिन एकलव्य के तीरों की गति बहुत तेज थी। उसने शीघ्रता से एक बाण से निशाना लगाया जो उसके मुँह में घुस गया। तब एकलव्य ने एक के बाद एक बाण से निशाना लगाता गया जब तक कि उसका मुँह तीरों से पूरा भर नहीं गया।

आश्चर्यजनक रूप से कुत्ते का मुँह पूरी तरह से बाणों से भरा हुआ था लेकिन खून की एक बूँद भी उसके मुँह से नहीं गिरी!

जल्दी ही एकलव्य ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी। द्रोणाचार्य और राजकुमार अपने कुत्ते को खोजते हुए उधर ही आ रहे थे। एकलव्य जल्दी ही पेड़ पर चढ़ गया और उनके पहुँचने की प्रतीक्षा करने लगा। जब द्रोण और राजकुमार पहुँचे, वे यह देखकर चकरा गए कि उनके कुत्ते का मुँह बाणों से भरा हुआ था और फिर भी उसे कोई दर्द नहीं था।

लेकिन द्रोण क्रोधित हुए और चिल्लाए, ''यह किसने किया है? बाहर आओ और खुद को दिखाओ!''

द्रोण की बात सुनकर, एकलव्य जो कि पेड़ पर था खुशी से भर गया। उसने सोचा कि महान् द्रोणाचार्य, बहुत खुश होंगे जब वह यह जानेंगे कि यह उनके अपने शिष्य ने किया है। एकलव्य पेड़ से नीचे उतरा और अपने गुरु के सामने झुक गया। द्रोणाचार्य ने जब एकलव्य को अपने सामने देखा तो उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। ''तुम?'' उसने कहा, ''यह तुमने किया है?''

एकलव्य ने कुछ नहीं कहा केवल गर्दन हिलायी।

''यह कला तुम्हें किसने सिखायी?'' द्रोणाचार्य ने लड़के से पूछा।

''वह कोई और नहीं आप हैं, गुरु जी,'' एकलव्य ने कहा और द्रोण के पैरों में गिर गया।

यह सुनकर, द्रोण ने आश्चर्य से पूछा, ''यह कैसे सम्भव है? मैं केवल राजकुमारों को सिखाता हूँ।''

अचानक उन्होंने स्वयं की मिट्टी की मूर्ति एक पेड़ के नीचे रखी देखी।

''वह क्या है?'' द्रोणाचार्य ने पूछा।

एकलव्य ने उठते हुए उत्तर दिया, ''वह आप हैं, गुरु जी। आपकी वह मूर्ति ही मेरी प्रेरणा है।''

द्रोणाचार्य आश्चर्य से भर उठे। वह उस लड़के को आशीर्वाद देने के लिए झुके, लेकिन अचानक उन्हें याद आया, ''मैं राजकुमारों का गुरु हूँ, एकलव्य जैसे लड़कों का नहीं।''

अचानक उन्हें विचार आया कि जब राजाओं को इसका पता चलेगा, वे अपने पुत्रों को उनके पास भेजना बन्द कर देंगे। उन्होंने थोड़ी देर सोचने के पश्चात् एकलव्य से कहा, ''क्या मैं तुम्हारा गुरु हूँ? क्या तुम आश्वस्त हो?''

''वास्तव में, गुरु जी, इस बारे में कोई संशय नहीं है'', लड़के ने बहुत आदर के साथ उत्तर दिया।

''तब क्या तुम मुझे एक उपहार दोगे, एक उपहार अपने गुरु के लिए?'' द्रोणाचार्य ने पूछा।

''आप जो भी माँगेंगे, गुरु जी'', लड़के ने कहा। वह किसी भी वस्तु से भयभीत नहीं था। ''तब मुझे तुम अपने दाएँ हाथ का अँगूठा दे दो'', द्रोणाचार्य बोले।

एकलव्य ने अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ उन्हें देखा। वह समझ चुका था कि अपने दाएँ अँगूठे के बिना, वह भविष्य में कभी भी बाण से निशाना लगाने के योग्य नहीं रहेगा।

एकलव्य अपने गुरु का अत्यधिक सम्मान करता था। उसने अपना अँगूठा काटने के लिए चाकू उठाया।

ज्यों ही एकलव्य अपना अँगूठा काटने ही वाला था, द्रोणाचार्य ने उसे रोका और कहा, ''नहीं, नहीं अपना अँगूठा मत काटो। मुझे केवल वचन दो कि तुम कभी भी दोबारा धनुष और बाण का उपयोग नहीं करोगे।''

एकलव्य मुस्कराया और अपना धनुष और बाणों का तरकश कन्धों पर से उतारा। उन्हें द्रोण के चरणों में रख दिया और कहा, ''लीजिए गुरु जी, मैं धनुष और बाण का उपयोग दोबारा न करने का वचन देता हूँ।'' यह कहकर वह पेड़ के पास गया और मिट्टी की मूर्ति को उठा लिया। फिर वह जंगल में चला गया। द्रोणाचार्य और राजकुमारों ने उसे जाते हुए देखा और तो कुछ नहीं लेकिन उनकी आँखों में उसके प्रति अनुराग और प्रशंसा का भाव था।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (c), **3.** (a), **4.** (b).

II. Tick (✓) the correct word :

1. right, **2.** a Bhil, **3.** dog, **4.** refused, **5.** a proud.

III. Answer the following questions :

1. The Bhils are tribals or adivasis. They live in small huts in the forest and eat flesh of animals and birds for their food.

2. Dronacharya taught the princes to read and write, to ride horses, to hunt and to skillfully use weapons in battle.

3. Dronacharya refuse to teach Ekalavya as he taught princes only.

4. Ekalavya made an idol of clay that looked exactly like Drona and put it under a tree. Treating it as his teacher, he began practising and within a short period, learnt to shoot well.

5. When Dronacharya's dog barked at Eklavya, he shot at and filled its mouth with arrow, without hurting it.

6. Ekalavya made a clay statue of Drona and put it under a tree. Then he began practising under its gaze. This way, he made Drona his teacher.

7. Dronacharya asked Eklavya to promise noot to use bow and arrows in future. This was the gift he asked far.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

amagement	**amazement**	diciple	**disciple**
whisling	**whistling**	quiwer	**quiver**
bevildered	**bewildered**	insperation	**inspiration**
tarjet	**target**	shuolders	**shoulders**

V. Match the words with their meanings :

snarled	**barked**
flesh	**meat**
target	**aim**
indeed	**of course**
bewildered	**surprised**
henceforth	**now onwards**
idol	**statue**
gift	**present**

Activity Time

VI. Fill in the blanks with the correct forms of the above words :

1. drop, **2.** wonders, **3.** advises, **4.** advise, **5.** Practise, **6.** wondered, **7.** advise, **8.** smiling, **9.** dropped, **10.** practiced.

VII. Put one letter in each box to make the word. Take help from the clues :

Clues

Across (→) : 1. ALBUM **2.** EARS, **3.** QUIET, **4.** SEED, **5.** PRESENTS, **6.** TRACTOR, **7.** GUN, **8.** DELICIOUS, **9.** ANTS, **10.** PASSAGE, **11.** STOMACH, **12.** WOOLLEN

Clues

Down (↓) : 1. AQUARIUM, **4.** STORIES, **13.** BIRTHDAY, **14.** LAWN, **15.** OXYGEN, **16.** DUCKS

16. In the Train

हिन्दी अनुवाद

जैसे हम तेजी से भागते हैं, जैसे हम तेजी से भागते हैं ट्रेन में,
वृक्ष और मकान पीछे की ओर चलते जाते हैं;
परन्तु धरती के ऊपर सितारों से भरा आकाश
हमारे रास्ते में साथ दौड़ता चला आता है।
आकाश के सारे सुन्दर सितारे,
रात के जंगल के चाँदी से कबूतर,
धरती के ऊपर एकत्रित होते हैं और उड़ते हैं;
हमारी (जीवन) यात्रा के सहचर (हैं)।
हम सदैव भयमुक्त तेजी से यात्रा करते रहेंगे;
हमारा लक्ष्य कितना ही दूर हो, यात्रा शीघ्रगामी हो!
क्योंकि, अपने साथ हम ले जाते हैं प्रिय, स्वर्ग (परमेश्वर) को,
जबकि पृथ्वी (भौतिक संसार) हमारे चरणों से छूटता जाता है।

—जेम्स थॉमसन

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (a), **3.** (a).

II. Answer the following questions :

1. The central idea of the poem is the a moral lesson that joys of life are temporary. They are left behind while our virtues go with us in our journey of life.

2. A railway journey takes us to our destination. In the same way, the journey of life takes us to our goal, the Eternal Home.

3. When we travel in a train, stars of the sky accompany us.

4. When our train runs forward, the trees and houses look wheeling back.

5. The beautiful stars of the sky are the companions of our journey whereas the trees and houses are not.

6. The goal of everyone of us is our Eternal Home. It is the salvation of life.

7. The moral lesson that we learn from this poem is that we should not be greatly attached to material pleasures. We should be fearless good and virtuous in our life.

8. The earth and earthly things are left behind when we leave for the city of God.

Language Skill Practice

III. Write down the plural forms of the following singular nouns by changing the inside vowels. The first one is done for you :

Singular Forms	Plural Forms
1. Axis	Axes
2. Goose	Geese
3. Tooth	Teeth
4. Foot	Feet
5. Woman	Women
6. Oasis	Oases
7. Mouse	Mice
8. Man	Men

IV. Match the adjectives in list 'A' with suitable nouns in list 'B'. Then use any five of the phrases so formed in sentences of your own. The first one is done for you :

1. faithful servant : Raju is a faithful servant.
2. quick driver : Ramsharan is a quick driver.
3. gentle boy : Rohit obeys his elders. So he is a gentle boy.
4. harsh decision : One must avoid harsh decisions.
5. beautiful city : Delhi is a beautiful city.
6. brave soldiers : Brave soldiers never fear death.
7. future hopes : Future hopes make men happy and hopeful.
8. honest shopkeeper : Honest shopkeepers always thrive and prosper.

V. A list of some masculine and feminine nouns is given below. Match and rewrite them separately, *i.e.* masculine nouns under A and their feminine nouns under B. The first one is done for you. :

Masculine	Feminine
1. uncle	aunt
2. dog	bitch
3. boy	girl
4. bull	cow
5. cock	hen
6. brothers	sisters
7. father	mother
8. horse	mare
9. husband	wife
10. god	goddess
11. peacock	peahen
12. master	mistress
13. sir	madam

14. monk — nun
15. king — queen

Activity Time

VIII. Put one letter in each box to solve this crossword puzzle :

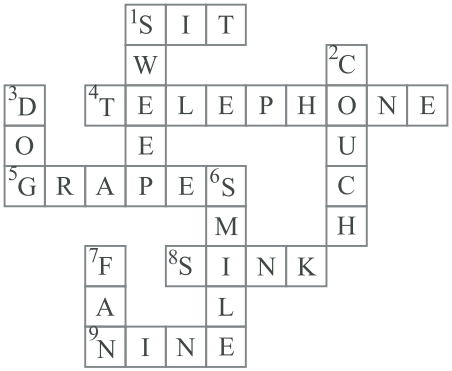

17. Aladdin and His Magic Lamp

हिन्दी अनुवाद

अलाद्दीन : (एक जवान लड़का)
जरीना : (अलाद्दीन की माँ)
मुस्तफा : (अलाद्दीन का मामा, एक वृद्ध व्यक्ति)
राजकुमारी, दीये का जिन्न, अँगूठी का जिन्न, दो नौकर

दृश्य : 1

[अलाद्दीन का कमरा]

अलाद्दीन, एक आकर्षक जवान लड़का बैठकर सिलाई कर रहा है क्योंकि वह व्यवसाय से दर्जी है। उसकी माँ, जरीना कमरे के एक कोने में दोपहर का भोजन बनाने में व्यस्त है।

अलाद्दीन : दोपहर के भोजन के लिए क्या पका रही हो, माँ?
जरीना : मैंने सूप और चावल पकाए हैं, बेटा।
अलाद्दीन : ओ' माँ! मुझे बहुत भूख लग रही है। क्या हम चावलों के साथ चिकिन नही ले सकते?
जरीना : देखो बेटा, हमारे पास जरा भी धन नहीं है। *[वह उसे पैसों का डिब्बा दिखाती है।]* आज तुम्हें सूप और चावल से ही सन्तुष्ट होना होगा।

[तभी कोई दरवाजा खटखटाता है।]

अलाद्दीन, जाओ और देखो दरवाजे पर कौन है।
कौन हो सकता है?
[वह थोड़ी आश्चर्यचकित थी।]

[अलाद्दीन दरवाजा खोलता है और बाहर एक वृद्ध व्यक्ति को देखता है।]

अलाद्दीन : आप कौन हैं?

मुस्तफा : मैं, जरीना और अलाद्दीन से मिलना चाहता हूँ। क्या यह उन्हीं का घर है?

अलाद्दीन : जी हाँ, यही है। कृपया अन्दर आइए और अपना परिचय दीजिए। मैं नहीं जानता कि मैंने आपको पहले कभी देखा है या मिल चुका हूँ। *[मुस्तफा अन्दर आता है।]*

मुस्तफा : जरीना, मैं तुम्हारा भाई हूँ। क्या तुम्हें मैं याद नहीं?

जरीना : ओ' मुस्तफा! क्या तुम हो? मुझे इस पर बिल्कुल विश्वास नहीं हो रहा! मैं तुम्हें इतने लम्बे समय के बाद देखकर बहुत खुश हूँ। कृपया बैठो और पहले हमारे साथ भोजन करो।

अलाद्दीन : *[अपने मामा को गले लगाते हुए]* मैं आपसे मिलकर बहुत प्रसन्न हूँ। मामाजी, आपका स्वागत है।

[जरीना भोजन लाती है। वे सब खाते हैं।]

मुस्तफा : अलाद्दीन, तुम युवा और बहादुर हो। मुझे तुम्हारी सहायता की आवश्यकता है। मुझे अपने खजाने में से कुछ धन की आवश्यकता है जिसे मैंने एक गुप्त स्थान पर छुपा रखा है। क्योंकि अब मैं बूढ़ा हो गया हूँ, मैं चाहता हूँ कि उस स्थान तक तुम मेरे साथ चलो। यदि तुम मेरी सहायता करो, तो मैं तुम्हें अमीर बना दूँगा।

[अलाद्दीन अपनी माँ की ओर देखता है जो स्वीकृति में गर्दन हिलाती है।]

अलाद्दीन : ''अवश्य मामाजी, मैं सहायता करूँगा। आप अपना खजाना ले जाना। हमें भी धन की आवश्यकता है ताकि मेरी माँ अच्छे कपड़े पहन सके और हम अच्छा भोजन खा सकें।''

मुस्तफा : ''तुम्हारा धन्यवाद, अलाद्दीन। तुम एक अच्छे और आज्ञाकारी लड़के हो। आज जल्दी सो जाओ क्योंकि हमें अपनी यात्रा सुबह जल्दी शुरू करनी है।

दृश्य : 2

[अलाद्दीन और उसके मामा मुस्तफा एक गुफा के सामने खड़े हैं।]

मुस्तफा : अलाद्दीन, गुफा के अन्दर जाओ। मैं इस तंग रास्ते से अन्दर जाने के लिए बहुत बूढ़ा हूँ। तुम्हें अन्दर एक पुराना दीया ढूँढना होगा। उसे मुझे लाकर दो और तब तुम गुफा से जो कुछ भी तुम्हें अच्छा लगे ले सकते हो।

अलाद्दीन : अवश्य, मामाजी।

[वह तंग रास्ते से अन्दर जाता है और गुफा के अन्दर पहुँच जाता है।]

अलाद्दीन : *[उसका मामा उसकी आवाज सुन सकता है यद्यपि वह गुफा के बाहर खड़ा था।]* मामाजी, यहाँ बहुत अँधेरा है। लेकिन! यह क्या? *[अपनी*

आँखें मलता है।] गुफा धन और जवाहरातों से भरी है। हम अमीर हो जाएँगे! ओह, मुझे क्या लेना चाहिए? यहाँ हीरों का हार है, जवाहरातों का सोने का सन्दूक है। ओह, यहाँ से ले जाने के लिए बहुत सारा सामान हैं। मुझे क्या ले जाना चाहिए?

मुस्तफा : *[अति आवश्यकता के लहजे में]* जल्दी करो अलाद्दीन। हमें देर हो रही है। दीया मुझे दे दो, जल्दी करो!

अलाद्दीन : *[बहुत अधिक धन देखकर वह दीये के बारे में भूल चुका था।]* कौन-सा दीया मामाजी? उसके बारे में मैं भूल गया।

मुस्तफा : *[गुस्से में]* अलाद्दीन, दीया ले आओ, नहीं तो तुम्हें सजा दी जाएगी। मैं तुम्हें हमेशा के लिए गुफा में बन्द कर दूँगा।

अलाद्दीन : *[स्वयं से कहते हुए]* वहाँ, वहाँ है यह। लेकिन यह बहुत पुराना और गन्दा है। जो भी है मैं इसे नहीं ले सकता क्योंकि मेरे हाथ धन और जवाहरातों से भरे हुए हैं।

[वह दीये के बिना ही गुफा के मुहाने पर वापस आ जाता है।]

मुस्तफा : *[अभी भी गुस्से में]* दीया कहाँ है? तुम उसे क्यों नहीं लाए?

अलाद्दीन : *[आश्चर्य के लहजे में]* क्यों मामाजी, क्या हमें एक गन्दे पुराने दीये की आवश्यकता है। हमारे पास बहुत सारा जवाहरात और धन है।

मुस्तफा : *[असहाय भाव से]* तब हमेशा के लिए अन्दर रहो।

[अपने जादू से उसने गुफा को बन्द कर दिया।]

अलाद्दीन : *[गुफा के अन्दर से]* ओह, मैं बाहर नहीं जा सकता। मामाजी! मामाजी! कृपया मेरी सहायता करो। आपने मुझे क्यों अन्दर बन्द कर दिया? मैं मर जाऊँगा। हे भगवान, यह सही नहीं है। *[वह गुफा के अन्दर एक पत्थर पर बैठ जाता है।]* मुझे दीया जलाना चाहिए और देखूँ यदि मैं रास्ता ढूँढ़ पाता हूँ। [वह दीया उठाता है।] पहले मुझे इसे साफ करना चाहिए।

[वह अपनी कमीज पर उसे रगड़ता है। तुरन्त एक जिन्न प्रकट होता है। यह दीये का जिन्न था।]

जिन्न : मालिक! मैं दीये का नौकर हूँ। जो व्यक्ति दीये का स्वामी है, मेरा भी स्वामी है। आपका क्या आदेश है मालिक?

अलाद्दीन : *[चकित होकर]* मैं इस गुफा से बाहर जाना चाहता हूँ। क्या तुम मेरी सहायता करोगे?

दीये का जिन्न : *[गुफा के दरवाजे की ओर देखता है]* हट जाओ! *[दरवाजा हटता है और गुफा खुल जाती है]*

अलाद्दीन : वाह! यह शानदार है! अब कृपया यह सब खजाना ले जाने में मेरी सहायता करो। मैं तुरन्त घर जाना चाहता हूँ।

दृश्य : 3

[अलाद्दीन का विशाल तथा शानदार नया घर]

अलाद्दीन और उसकी माँ ने रेशमी वस्त्र और जवाहरात पहने हुए हैं। फर्श पर एक महँगा कालीन है। अलाद्दीन ने अभी-अभी रात का भोजन किया है।। एक नौकर उसके लिए एक कटोरा पानी उसकी उँगलियाँ धोने के लिए लाया, जबकि दूसरा उसके लिए एक तौलिया लाया। अलाद्दीन अपनी उँगलियाँ धोता है और उन्हें तौलिए से सुखाता है।

अलाद्दीन : माँ, तुम कहाँ हो? *[जरीना अन्दर आती है]* माँ, मैं ईरान के राजा से मिलने के लिए जाना चाहता हूँ। वह अपनी पुत्री की शादी मुझसे करना चाहते हैं। वह हमारे महल और हमारे सभी नौकरों और जवाहरातों से अत्यधिक प्रभावित हैं।

जरीना : जाओ, बेटा! *[अलाद्दीन जाता है।]* मुझे यह स्थान साफ करना चाहिए और अधिक सुन्दर बनाना चाहिए। मुझे एक नया कालीन और अन्य चीजें लानी चाहिए जो इस महल को देखने में और अधिक शानदार बना दें।
[उसी समय मुस्तफा दीये बेचने वाले का भेष बदलकर, एक नए दीयों की ट्रे के साथ प्रवेश करता है।]

मुस्तफा : अपने पुराने दीये को बदलकर नया ले लो!

जरीना : क्या! तुम पुराने के लिए नया दीया दे रहे हो? मुझे राजकुमारी के लिए एक नया दीया लेना चाहिए। *[वह एक अलमारी से पुराना दीया लाती है]* लो इसे ले लो और मुझे एक नया दे दो।
[दीये बेचने वाला एक नया दीया देता है और चला जाता है।]
[अलाद्दीन प्रवेश करता है।]

अलाद्दीन : मैंने अपनी यात्रा का बहुत आनन्द उठाया माँ। ईरान के राजा एक बहुत भले इंसान हैं। शायद उनकी पुत्री संसार में सर्वाधिक सुन्दर है। रुको माँ, पहले मुझे अपने कपड़े बदलने दो और तब मैं तुम्हें अपनी यात्रा के बारे में और अधिक बताऊँगा। *[वह जाता है और अलमारी खोलता है।]* दीया कहाँ है, माँ?

जरीना : बेटा उस पुराने दीये को भूल जाओ। मैंने उसे एक सुन्दर नए दीये से बदल दिया है। *[वह जाती है और एक मेज से उसे लेकर आती है।]* क्या यह सुन्दर है, अलाद्दीन?

अलाद्दीन : ओह! माँ, तुमने क्या कर दिया? *[वह चिल्लाता हुआ दौड़ता है।]* मुझे अपना दीया ढूँढना होगा। ढूँढ़ना होगा! ढूँढ़ना होगा!

दृश्य : 4

[अलाद्दीन का पुराना घर]

[अलाद्दीन और जरीना अपने पुराने कपड़े पहने हुए हैं]

जरीना : हम दोबारा गरीब हो गए, अलाद्दीन।

अलाद्दीन : हाँ माँ। मुझे बहुत दुःख हो रहा है। मैं राजकुमारी से प्यार करता हूँ और अब हम गरीब हैं। मैं उससे शादी नहीं कर पाऊँगा।
[कोई दरवाजा खटखटाता है : जरीना देखने के लिए जाती है कि कौन है।]

राजकुमारी : मैं अलाद्दीन से मिलना चाहती हूँ, जो कि पहले एक अमीर व्यक्ति था और ईरान के राजा से मिलने गया था।

जरीना : यह अलाद्दीन का घर है। क्या मैं जान सकती हूँ तुम कौन हो?

राजकुमारी : कृपया मैं पहले अलाद्दीन से मिलना चाहती हूँ।

[वह चलकर घर के अन्दर आ जाती है।]

अलाद्दीन : तुम्हें यहाँ नहीं आना चाहिए था, राजकुमारी। अब मैं एक गरीब आदमी हूँ, मैं तुमसे शादी नहीं कर सकता।

राजकुमारी : लेकिन तुम अब भी अलाद्दीन हो।

अलाद्दीन : मुझे एक बात बताओ। तुमने मुझे कैसे ढूँढा?

राजकुमारी : मैं तुम्हें अपनी जादुई अँगूठी की सहायता से ढूँढा। यह, देखो। *[उसने अपनी जादुई अँगूठी रगड़ी और अचानक एक जिन्न प्रकट होता है।]*

जिन्न : ओ' मालकिन! यह नौकर आपके लिए क्या कर सकता है? आपकी क्या इच्छा है?

राजकुमारी : अलाद्दीन, तुम क्या चाहते हो?

अलाद्दीन : राजकुमारी, कृपया जिन्न से मेरे मामा के बारे में पूछो। उसने मुझसे जादुई दीया चुरा लिया। मैं उसे ढूँढना चाहता हूँ।

राजकुमारी : जिन्न, अलाद्दीन के मामा कहाँ हैं?

जिन्न : अलाद्दीन के मामा अब बगदाद में एक पुराने घर में रहते हैं।

अलाद्दीन : राजकुमारी, कृपया मुझे अपनी अँगूठी दे दो और मैं अपना दीया ढूँढने में इसकी सहायता लूँगा। जब मुझे अपना दीया वापस मिल जाएगा, मैं दोबारा अमीर हो जाऊँगा और तब हम एक-दूसरे से शादी कर लेंगे।

राजकुमारी : मुझे तुम्हें अपनी अँगूठी देकर प्रसन्नता होगी। लो, इसे ले लो।

[वह अपनी अँगूठी उतारती है और उसे दे देती है।]

अलाद्दीन : *[अँगूठी लेता है और उसे रगड़ता है। तुरन्त जिन्न प्रकट होता है]* मुझे मामा के पास बगदाद ले चलो।

दृश्य : 5

[बगदाद में मुस्तफा के घर का एक कमरा। वह दीये को हाथ में लेकर कुर्सी पर बैठा हुआ है। वह बहुत बीमार प्रतीत होता है।]

अलाद्दीन : ओह, मामा! मैं यहाँ हूँ। क्या तुम बीमार हो रहे हो?

मुस्तफा : मैं वास्तव में बहुत बीमार हूँ, अलाद्दीन। मुझे नहीं लगता कि मैं अधिक दिन जीवित रहूँगा। दीये का जिन्न भी मेरी मदद करने में असमर्थ है।

अलाद्दीन : तब तुम इसे मुझे देकर खुश हो सकते हो। मैं इसका उपयोग भलाई के कार्यों के लिए करूँगा, मैं ऐसा करने का वचन देता हूँ।

मुस्तफा : तुम इसे ले सकते हो, भान्जे। लेकिन अपना वचन मत भूलना। हमेशा दीये का उपयोग भलाई के कार्यों के लिए करना।

अलाद्दीन : मैं दीये का उपयोग वचन के अनुसार करूँगा, मामा जी। राजकुमारी से शादी करने के पश्चात् मैं ईरान का राजा बन जाऊँगा। मैं हमेशा गरीबों की सहायता करूँगा। आखिरकार यह मैं कैसे भूल सकता हूँ कि मैं भी पहले गरीब था, एक गरीब दर्जी।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c).

II. Answer the following questions :

1. Mustafa came to Aladdin's house to take his help in getting out treasure which was hidden in a secret place.

2. Aladdin agreed to help him because he also needed money so that his mother could wear good clothes and they could eat good food.

3. Mustafa could not enter the cave because he was too old to squeeze through its mouth. So, he asked Aladdin to enter the cave.

4. Aladdin hands were filled with money and jewels so he came back to the mouth of the cave without the lamp.

5. Aladdin came out of the cave with the help of genie of the lamp, who opened the door for him.

6. Mustafa entered Aladdin palace as a lamp seller with a tray of new lamps. He offered to change old lamps for new. Aladdin's mother gave an old lamp to him and got a new lamp in exchange. That's how he got back the magic lamp.

7. The princess found Aladdin with the help of her magic ring.

8. Mustafa gave the magic lamp to Aladdin on the condition that he would always use the lamp for noble purposes.

Language Skill Practice

III. Correct the spellings :

sqeze	**squeeze**	magnifecient	**magnificent**	tailer	**tailor**
elegent	**elegant**	urgancy	**urgency**	embrece	**embrace**
necklece	**necklace**	checken	**chicken**	unabel	**unable**
accompeny	**accompany**				

IV. Match the words having similar meanings :

elegant	magnificent
astonished	surprised
genie	spirit
trip	journey
jewels	diamonds
profession	occupation
cupboard	almirah (shelf)
noble	kind, benevolent

Activity Time

V. Fill in the blanks with the words given in the box below :

1. magnificent, **2.** rubbed, Genie, **3.** noble, **4.** accompany, **5.** exchanged.

VI. Match the following :

A person who stitches clothes	**tailor**
A person who mends shoes	**cobbler**
A person who repairs our scooter	**mechanic**
A person who makes furniture	**carpenter**
A person who builds a house	**mason**
A person who sells goods	**shopkeeper**
A person who buys goods	**customer**
A person who makes cakes, biscuits etc.	**baker**

18. The Story of Science

हिन्दी अनुवाद

आरंभ में मानव बेघर घुमक्कड़ था, अपने भोजन के लिए जानवरों का शिकार और जंगली फल तथा बीजों को इकट्ठा करता था। जैसे कि आज हम देखते हैं उस समय कोई भी गाँव, कस्बे और शहर नहीं थे। वह सब चीजें कच्ची ही खाता था। संयोग से मानव ने दो पत्थर एक साथ रगड़े और आग जल गयी। हम उस व्यक्ति का नाम नहीं जानते जिसने यह किया, लेकिन उसने एक महत्त्वपूर्ण खोज की जिसने मानव जीवन को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया। खेती/कृषि की खोज के बाद मनुष्य ने मकान बनाए और गाँवों में रहने लगा। बाद में किसी ने पहिए का आविष्कार किया। आज साइकिल, कार और हवाईजहाज, सभी इस महान् आविष्कार का उपयोग करते हैं। अगली महत्त्वपूर्ण घटना भारत और ग्रीस के विचारकों द्वारा गणित की खोज थी। उन व्यक्तियों के बारे में बहुत कम जानते हैं जिन्होंने ये कार्य किए क्योंकि वे बहुत समय पहले रहते थे।

सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी में, विज्ञान का तेजी से उदय हुआ। लोगों ने पृथ्वी और ग्रहों के बारे में बहुत कुछ सीखा और प्रकृति के बहुत सारे गुप्त नियमों को खोजा। जब तक लोग हमारे चारों ओर के संसार और उसके नियमों के बारे में अधिक नहीं जानते थे। आज हम जानते हैं कि एक सेब धरती पर गिरता है क्योंकि पृथ्वी उसे नीचे की ओर खींचती है। क्या आपने उस आदमी का नाम सुना है जिसने इस नियम की खोज की? उनका नाम आइजेक न्यूटन है, जो सत्रहवीं शताब्दी में रहते थे। उन्होंने प्रकृति के बहुत सारे अन्य नियमों की खोज की और गणित में कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य किए। उन्हें हम आधुनिक विज्ञान का जनक मानते हैं।

अट्ठारहवीं शताब्दी में, एक बड़ी घटना घटी। इंग्लैण्ड के लोगों ने उद्योग और खेती में आधुनिक विज्ञान का उपयोग करना शुरू किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की मशीनों, मुख्यत: कपड़ा बनाने के लिए, का आविष्कार किया। आरंभ में मशीन को चलाने के लिए मानव-शक्ति का उपयोग किया जाता था। उसी काल में, जेम्स वॉट ने भाप के इंजन का आविष्कार किया, और जल्दी ही बड़े कारखानों में लोग मशीनों को चलाने के लिए भाप की शक्ति का उपयोग करने लगे। ये मशीनें बड़ी संख्या में तेजी से वस्तुओं का उत्पादन करती थीं। एक मशीन उतने ही समय में दर्जनों व्यक्तियों का काम करती थी। उद्योग में विज्ञान का उपयोग विज्ञान को आम आदमी के जीवन में एक बहुत बड़ा परिवर्तन लाया।

उन्नीसवीं शताब्दी में विज्ञान का बहुत तेजी से विस्तार हुआ और चारों ओर में एक बड़ा परिवर्तन आया। यह महान आविष्कारों और खोजों का समय था। माइकल फैराडे ने विद्युत के कुछ महत्त्वपूर्ण नियमों की खोज की। सैम्यूअल मोर्स ने विद्युत का उपयोग टेलीग्रॉफी के आविष्कार में किया और एडीसन ने विद्युतचालित लैम्प बनाया। शताब्दी के अन्त का मारकोनी ने तारारहित टेलीग्राफी का आविष्कार किया। बाद में, इसके परिणामस्वरूप रेडियो का आविष्कार हुआ।

उन्नीसवीं शताब्दी में भी, लोग रेलगाड़ी और जहाजों को चलाने के लिए भाप का उपयोग करते थे, और मोटरकार के लिए पेट्रोल का। पहली बार, मानव तेज यात्रा करने योग्य बना। बीसवीं शताब्दी में वर्ष-प्रतिवर्ष आविष्कार और खोजें होती रहीं। आदमी उड़ना और पहले से भी अधिक तेज यात्रा करना सीख गया। प्रथम हवाईजहाज 50 किलोमीटर प्रति घण्टा की गति से उड़ा, लेकिन आज जेट जहाज प्रति घण्टा हजारों किलोमीटर की गति से भी अधिक यात्रा कर सकते हैं। अन्तरिक्षयान और तेज जाते हैं—लगभग 32,000 किलोमीटर प्रति घण्टा, जो कि आठ किलोमीटर प्रति सेकण्ड से भी अधिक है। वैज्ञानिक अन्तरिक्षयान का उपयोग अन्तरिक्ष में यात्रा करने और दूरस्थ ग्रहों का अध्ययन करने के लिए करते हैं।

वर्ष 1969 में तीन व्यक्ति, नील आर्मस्ट्रांग, माइकेल कॉलिन्स और एडविन ऑल्ड्रिन ने अन्तरिक्ष में तीन दिन की यात्रा की और चन्द्रमा पर उतरे।

यह अन्तरिक्ष युग का प्रारम्भ है। लोग अपने जीवन में विभिन्न ग्रहों की यात्रा पर जा चुके हों, और जब आप बड़े होकर, आप में से कुछ छुट्टियाँ मनाने के लिए चन्द्रमा पर जाने वाले हों चुके होंगे।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (c), **3.** (b).

II. Fill in the blanks :

1. 17th, **2.** spacecraft, **3.** India, **4.** beginning, **5.** downwards.

III. Match the following :

Marconi	**radio**
Neil Armstrong	**moon**
Michael Faraday	**electricity**
Morse	**telegraphy**
Edison	**electric lamp**

IV. Answer the following questions :

1. Long ago, man was a homeless wanderer, hunting animals or collecting wild fruits and seeds for his food.

2. By sheer luck, a man struck two stones together and this way fire was discovered.

3. After the discovery of agriculture, man began to build houses and villages.

4. So Issac Newton is considered as "Father of Modern Science" because he found the law of gravity. He discovered many other laws of nature and did important work in mathematics.
5. Machines are useful in industries are these can produce goods faster and in large number.
6. Spacecrafts are used to travel in space and to study distant planets.

Language Skill Practice

V. Correct the spellings :

wandarer	**wanderer**	invension	**invention**	spase	**space**
talegraphy	**telegraphy**	traveled	**travelled**	begining	**beginning**
aroplan	**aeroplane**	radeo	**radio**		

VI. Match the related words :

jet	plane
space	craft
homeless	wanderer
modern	science
great	invention
long	ago
wild	fruit
steam	power

Activity Time

VII. Complete the passage with the words given in the box :

Rohan **travelled** from Delhi to Mumbai by an **aeroplane.** The aeroplane took only one and a half hours to reach **Mumbai.** It flew at a speed of **about** 1,000 kms per hour. It **landed** at the airport safely. There were 200 **passengers** on the flight. When the plane **took off,** the airhostess asked the passengers to **fasten** their seat belts. The **airhostess** served snacks, tea, coffee and soft drinks to **them**.

19. Spick and Span

हिन्दी अनुवाद

यह कहानी स्पिक और स्पैन नामक मित्रों की है। कोई नहीं जानता कि वे कौन थे या वे किस देश में रहते थे। उनके बारे में बहुत सारी मनोरंजक कहानियाँ हैं। वे अक्सर मनोरंजक कार्य किया करते थे। दी गई कहानी भी इसी प्रकार की है।

एक दिन स्पिक ने कहा, ''मेरे पास गेहूँ के पौधों के लिए बिल्कुल पानी नहीं है। मुझे बहुत सारे पानी की आवश्यकता है। मुझे एक कुआँ खोदना चाहिए।''

स्पैन, ने उसकी बात सुनी और उसकी सहायता करने का प्रस्ताव किया।

''मैं तुम्हारी सहायता अवश्य करूँगा,'' उसने कहा। ''जब कुआँ खोदा जाएगा, हम उसके पानी में हिस्सेदारी कर सकते हैं,'' स्पैन ने कहा।

स्पिक ने उसके सहायता के प्रस्ताव के लिए उसका धन्यवाद दिया और उन्होंने खोदना आरम्भ किया। उन्होंने उसे पूरे दिन खोदा। दिन के अन्त तक उन्होंने एक बड़ा गड्ढा खोद दिया।

''हमने बहुत अच्छा कार्य किया,'' स्पिन ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। ''हम एक बड़ा गड्ढा खोदने में सफल रहे।''

''हाँ,'' स्पैन ने कहा, ''मगर हम इस खोदी हुई मिट्टी का क्या करें?'' उसने खोदी गई मिट्टी के एक बड़े ढेर की ओर इशारा करते हुए कहा।

''हाँ,'' स्पिक ने कहा। ''यह सच में एक समस्या है, है ना? हम इसे यहाँ नहीं छोड़ सकते हैं। मुझे इस बारे में कुछ सोचना चाहिए।''

अगले दिन जब दोनों दोस्त मिलते हैं, स्पिक बहुत खुश दिखाई दे रहा था। ''मैंने तुम्हारी समस्या का समाधान ढूँढ लिया है,'' उसने गर्व से कहा। ''यह बहुत ही आसान है। हमें एक दूसरा गड्ढा खोदना चाहिए। जब हम दूसरा गड्ढा खोद लेंगे, हम इस मिट्टी को उसमें भर देंगे।''

''यह एक जबरदस्त विचार है!'' स्पैन ने कहा। ''हमें तुरन्त आरंभ हो जाना चाहिए!''

दोनों व्यक्तियों ने दूसरा गड्ढा खोदना शुरू कर दिया। दिन के अन्त तक गड्ढा पूरा हो चुका था। उन्होंने कुएँ से निकली सारी मिट्टी दूसरे गड्ढे में भर दी। तब वे बहुत ही सन्तुष्ट और प्रसन्न दिखाई दे रहे थे।

''हम बहुत ही चतुर व्यक्ति हैं,'' स्पिक ने कहा। ''हमने अपनी समस्या का समाधान पा लिया है, क्या नहीं?''

''हाँ, हमने कर लिया है,'' स्पैन ने उत्तर दिया। तब उन्होंने दूसरे गड्ढे से निकली मिट्टी के ढेर को देखा। ''लेकिन अब हम इसका क्या करें?''

''हाँ,'' स्पिक ने कहा। ''यह एक नयी समस्या है। हमने एक गलती की है। अब हमें घर चलना चाहिए। मैं इसके बारे में सोचूँगा। अगले दिन मैं इस समस्या का समाधान प्राप्त कर लूँगा।''

अगले दिन दोनों व्यक्ति दोबारा मिले। ''मैंने इस छोटी-सी समस्या के बारे में सोचा,'' स्पिक ने कहा। ''अब मैं उस भूल को समझ गया जो हमने की थी। हमें इस मिट्टी के लिए दूसरा गड्ढा खोदना चाहिए लेकिन यह बहुत बड़ा होना चाहिए। यह कम से कम दूसरे गड्ढे से दोगुना बड़ा होना चाहिए।'' उस पूरे दिन वे खोदते रहे। दिन के अन्त तक उन्होंने तीसरे गड्ढे के खोदने का कार्य समाप्त कर दिया।

यह दूसरे गड्ढे से दोगुना बड़ा था लेकिन उनके पास दोबारा एक बड़ा मिट्टी का ढेर था। उन्होंने जिस गड्ढे को अभी खोदा था उसमें दूसरे गड्ढे से निकली मिट्टी भरी, लेकिन उसमें अभी और अधिक मिट्टी के लिए जगह नहीं थी। तब उन्होंने बड़े ढेर से मिट्टी वापस गड्ढे में डालनी शुरू की लेकिन वे केवल आधी मिट्टी ही उस गड्ढे में डाल सके। तब गड्ढा पूरा भर गया।

''अब हम क्या करेंगे?'' स्पैन ने कहा। ''हमारे पास अभी भी यही मिट्टी का ढेर है।''

"हमारी समस्या का एक ही समाधान है," स्पिक ने उत्तर दिया। "हमें इस मिट्टी को गड्ढे में भर देना चाहिए जिसे हमने कुएँ के लिए खोदा था। जब गड्ढा पूरा भर गया, स्पैन ने कहा, "लेकिन हमारे पास कोई कुआँ नहीं है।"

"तुम पूरी तरह से सही हो," स्पिक ने कहा। "यह वास्तव में बहुत दु:ख की बात है!"

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. heap, **2.** well, wheat, **3.** pity, **4.** offered, offer.

III. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. (✗), **2.** (✗), **3.** (✗), **4.** (✓), **5.** (✗).

IV. Answer the following questions :

1. Spick needed a lot of water for his wheat plants. He proposed to get it by digging a well.

2. At the end of the day, they had big heap of soil dug out. The problem was to put away that soil.

3. The next day, Spick found the solution of the problem by digging another hole and putting all the soil into it.

4. The new probem that arose the next day was that the hole dug out by them given rise to another heap of soil.

5. No, the friends were not successful in digging the well. In the end, they put the soil into the hole they had dug for the well.

Language Skill Practice

V. Complete the spellings :

co**u**n**t**ry, b**r**ill**i**ant, am**u**sing, a**n**ot**h**er, p**r**ob**l**em, abs**o**l**u**tely.

VI. Match the related words :

amusing	funny
offered	proposed
really	actually
brilliant	very intelligent
immediately	at once
tomorrow	the next day
room	space
absolutely	completely

Activity Time

VII. Use the words given below in the box to fill in the blanks :

1. well, **2.** amusing, understand, **3.** offered, offer, **4.** pity, **5.** dig.

20. Lav and Kush

हिन्दी अनुवाद

[सीता ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में अपनी झोपड़ी में अकेली बैठी हैं।]

लव : माँ देखो, कुश ने एक सुन्दर घोड़े की लगाम पकड़ रखी है। एक राजकुमार और बहुत सारे सिपाही उससे घोड़ा वापस देने के लिए कह रहे हैं। वह उनके साथ लड़ रहा है। वह कहता है, ''मैं घोड़ा वापस नहीं दूँगा।''

सीता : हाँ, मैं बाहर अत्यधिक शोर सुन पा रही हूँ। जाओ और देखो क्या मामला है?

[लव बाहर को भागता है और कुश के साथ खड़ा है। दोनों भाई अब राजकुमार लक्ष्मण के पुत्र चन्द्रकेतु के सामने हैं। राजकुमार बहुत क्रोधित है।]

राजकुमार : तुम मूर्ख लड़को! तुमने इस घोड़े को क्यों पकड़ लिया। यह राजा का घोड़ा है। शायद तुम नहीं जानते हो कि इस घोड़े को पकड़कर तुम अपने जीवन को खतरे में डाल रहे हो। तुम बहुत छोटे और सुन्दर हो इसलिए हम तुम्हें नहीं मारना चाहते हैं। अब इस घोड़े को छोड़ दो और आश्रम वापस चले जाओ।

कुश : इस प्रकार बातें न करो। यह घोड़ा दौड़ता हुआ हमारे आश्रम आया है। हम इसे वापस नहीं देंगे।

लव : हाँ, कुश सही है। तुम्हारे राजा ने इस घोड़े को इधर-उधर दौड़ने के लिए क्यों छोड़ दिया?

राजकुमार : रुको! क्या तुम जानते हो कि तुम किससे बात कर रहे हो? मैं श्रीमान रामचन्द्र का भतीजा हूँ। वह अयोध्या के राजा हैं। वह 'चक्रवर्ती सम्राट्' की उपाधि लेने जा रहे हैं। वह अश्वमेध यज्ञ कर रहे हैं और इसलिए यह घोड़ा सभी दिशाओं में घूम रहा है। जो कोई भी इस घोड़े को पकड़ेगा, उसे हमारी सेना के साथ युद्ध करना पड़ेगा।

लव : हम तुम्हारे राजा और उसके सिपाहियों से नहीं डरते हैं। तुम्हारी जो भी इच्छा हो तुम करो, हम इस घोड़े को नहीं जाने देंगे।

राजकुमार : लगता है तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है।

[राजकुमार ने अपने सिपाहियों से दोनों लड़कों को पकड़ने और घोड़े को स्वतन्त्र कराने के लिए कहा।]

[भयंकर युद्ध शुरू हो गया। लव और कुश बहादुरी से लड़े। बहुत सारे सिपाही घायल हो गए और कुछ मारे गए। चन्द्रकेतु भी घायल हो गया और नीचे गिर गया।]

कुश और लव : मजा आ गया! हमने युद्ध जीत लिया। चलो माँ के पास चलते हैं और इसके बारे में उन्हें बताते हैं।

[उसी समय भगवान रामचन्द्र अपने रथ से नीचे उतरते हैं। वह यह देखकर आश्चर्यचकित हो गए कि दो छोटे बच्चों ने चन्द्रकेतु को घायल कर दिया और उनके बहुत सारे सिपाहियों को मार दिया है।]

[ऋषि वाल्मीकि भी घटना-स्थल पर प्रकट होते हैं।]

वाल्मीकि : आइए! हे अयोध्या के राजा! इन दोनों लड़कों और युद्ध के मैदान को देखो।

रामचन्द्र : वास्तव में बहादुरी और साहस का क्या उदाहरण है! ये कौन हैं?

वाल्मीकि : तुम्हारे अपने पुत्र, राजकुमार लव और कुश। और कोई नहीं केवल ये ही भगवान राम की शाही सेना को हरा सकते थे।

रामचन्द्र : (आश्चर्यचकित) इनकी माँ की शान बढ़े! इतने बहादुर पुत्र केवल सीता के ही हो सकते है। दु:ख की बात है! इन दिनों सीता को कितना कष्ट सहना पड़ा। कृपया उसे मेरे साथ भेज दें।

[रामचन्द्र अपने पुत्रों को गले लगाते हैं और उनकी आँखों से आँसू बहते हैं।]

वाल्मीकि : हे राजा! आप अयोध्या से एक लम्बा रास्ता तय करके आए हैं। हमारे आश्रम आइए और थोड़ी देर के लिए आराम करिए। वहाँ आपको आपकी कुलीन रानी मिलेंगी। उनको राजकुमार लव और कुश के साथ अयोध्या ले जाइए। आपकी आयु लम्बी हो और आप अपने साम्राज्य पर शान और साहस के साथ राज करें।

[भगवान रामचन्द्र सम्मान देने के लिए झुकते हैं। वे सब आश्रम की ओर चल देते हैं।]

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (b).

II. Cross (✗) the wrong word :

1. Lakshman, **2.** cousins, **3.** Kush, **4.** Lav, **5.** Lakshman.

III. Answer the following questions :

1. Lav told his mother that Kush was holding the rein of a beautiful horse. A prince and many soldiers were asking him to give them the horse back but he had refused.

2. Sita asked Lav to go and enquire about the matter.

3. Chandraketu was the prince and son of prince Lakshman. He was the nephew of Lord Rama.

4. Lord Rama was performing Ashvamedha yajna and therefore the horse was going round in all directions.

5. The battle fought between Chandraketu and Lav and Kush was won by the latter. Many soldiers were wounded and some were killed in that battle. Chandraketu was also wounded and falls down.

6. In the end, Valmiki told Rama that the two boys were Lord Ram's son only, and he can take his sons and his wife Devi Sita.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

h**o**rse   ch**a**ri**o**t   ne**p**h**e**w   fi**e**rce   f**u**ri**o**us   ba**t**tle

V. Match the word having similar meanings :

fierce	violent
battle	war
furious	angry
chariot	a cart drawn by horses
fight	quarrel
bravery	couarge
glory	honour

Activity Time

VI. Fill in the blanks and complete the passage. Choose the words from the box :

Once upon a time, Dashratha ruled over **Ayodhya.** He had **three** queens and **four** sons. His eldest son was **Ramchandra. Kaushalya** was Ramchandra's mother. **Sumitra** was Lakshman's mother. Rama fought a **fierce** battle with Ravana. Rama **killed** Ravana and **won** the battle.

21. The Boots of Fortune

हिन्दी अनुवाद

एक दिन, एक चौकीदार एक कॉलोनी का चक्कर लगा रहा था। अचानक, उसने पेड़ के नीचे काली और चमकती हुई वस्तु देखी। पास जाकर, उसने देखा कि वे लगभग नए एक जोड़ी जूते थे।

''अब, इन्हें यहाँ पर किसने छोड़ दिया?'' चौकीदार आश्चर्यचकित हुआ। लेकिन वहाँ पूछने के लिए चारों ओर कोई नहीं था। यह दोपहर का समय था, हर कोई घर के अन्दर था। इसलिए, चौकीदार जूते की जोड़ी को पास के पुलिस स्टेशन ले गया। ''तुम इन्हें यहाँ छोड़ सकते हो,'' सिपाही, श्रीमान् सिंह ने फर्श की ओर इशारा करते हुए कहा। कुछ समय पश्चात्, श्रीमान् सिंह ने अपना पेन नीचे रखा और अपना दोपहर का भोजन करने का निश्चय किया। उन्होंने अपने जूते उतार दिए थे क्योंकि उस दिन बहुत गर्मी थी और वहाँ बिजली नहीं थी। जैसे ही वे जूते पहनने के लिए झुके, उन्होंने वहाँ दो जोड़ी जूते साथ-साथ रखे पाए। 'ओह! मेरे कौन से हैं? एक बायीं ओर हैं? एक दायीं ओर हैं?' वह आश्चर्यचकित हुए।

हालाँकि कोई ऐसी समस्या नहीं थी कि सिपाही कौन-सी जोड़ी जूते पहने, क्योंकि वे एक ही नाप के थे। उसने अपने पैर बायीं ओर के जूतों में रखे। उस क्षण के बाद से, उसके लिए विचित्र बातें घटनी शुरू हो गयीं।

जैसे ही श्रीमान् सिंह ने अपना खाने का डिब्बा खोला, उन्होंने खिड़की के बाहर टकटकी लगाकर देखा और आह भरी, ''आह! ये चिड़ियाँ कितनी भाग्यशाली, जहाँ ये चाहती हैं ये उड़ती रहती हैं! काश, मैं एक छोटी चिड़िया होता!''

जैसे ही उसके मुँह से शब्द निकले, सिपाही ने स्वयं को गौरया में बदले हुए पाया! 'क्यों!' उसने सोचा, 'मैं स्वप्न देख रहा हूँ!' उसके सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई। वह खिड़की से उड़ता हुआ बाहर घास पर आ गया, और कीड़ों को ढूँढ़ने लगा—उसके खाने के डिब्बे से कुछ भिन्न भोजन! लेकिन अगले ही क्षण, वह अँधेरे से चारों ओर से घिर गया। एक शरारती लड़के ने अपनी टोपी उसके ऊपर तेजी से फेंकी और पंखों के द्वारा कसके उसे पकड़ रखा था।

''तुम शरारती लड़के! मुझे जाने दो, मैं एक सिपाही हूँ!'' श्रीमान् सिंह गुस्से में चिल्लाए। लेकिन, अब वे एक चिड़िया थे, केवल आवाज जो बाहर आयी थीं, 'ट्विट, ट्विट!'

अब लड़के ने गौरैया को दूसरे लड़के को बेच दिया जो उसे अपनी माँ के पास घर ले गया।

''धन की कितनी बर्बादी!'' लड़के की माँ ने कहा। ''यह केवल एक गौरैया है, एक बहुत सामान्य चिड़िया। कोई बात नहीं, तुम इसे उस खाली पिंजड़े में खिड़की के पास एक दिन के लिए रख सकते हो। कम-से-कम पॉली खुश हो जाएगा।'' पॉली एक बड़े पिंजड़े में एक बड़ा तोता था। केवल शब्द वह जानती थी, थे, 'अब हमें आदमी बन जाने दो।' यह उसने पूरे दिन लगातार कहना जारी रखा।

पॉली के पिंजड़े से दूसरा पिंजड़ा एक चिड़िया का था, जो कैनरी का था। जब उसने देखा कि गौरैया कितनी दु:खी थी, उसने अपनी पक्षी भाषा में कहा, ''दूर उड़ जाओ! जल्दी करो! लड़का तुम्हारे पिंजड़े को बन्द करना भूल गया। खिड़की खुली है! उड़ो, दूर उड़ जाओ!'' गौरैया जल्दी से उड़कर बाहर आयी और वापस पुलिस स्टेशन आ गयी। लेकिन चिड़िया, दोबारा सिपाही, श्रीमान् सिंह कैसे बने?

तब, गौरैया को पॉली के शब्द याद आ गए और उसने जोर से कहा, ''अब, हमें आदमी बन जाने दो।'' तभी अचानक गौरैया दोबारा श्रीमान् सिंह बन गयी, जो पुलिस स्टेशन पर अपनी कुर्सी पर बैठे थे।

क्या आप अनुमान लगा सकते हो कि सबसे पहले उसने क्या किया? उसने गलती से पहने जूते जल्दी से उतार दिए, उनको एक अलमारी में बन्द कर दिया और अपने पुराने जूते दोबारा पहन लिए!

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (b).

II. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. (✗), **2.** (✓), **3.** (✗), **4.** (✗), **5.** (✓).

III. Answer the following questions :

1. Uhnder the tree, watchman noticed, a black and shining pair of high boots.

2. After that, the watchman took the pairs of boots to the nearest police station.

3. Mr. Singh was a policeman. He asked the watchman to leave the boots there only.

4. When Mr. Singh wore the boots, he changed into a sparrow and strange things began to happen to him.

5. The sparrow was caught by a naughty boy who sold it to another boy. He carried it to his home to his mother.

6. The boy's mother said that purchasing a sparrow was a waste of money. She asked him to keep that sparrow in the empty cage near window.

7. The sparrow remembered Polly's words and said them aloud, "Now, let us be men" After that, the sparrow became Mr. Singh again.

IV. Arrange the following sentences in the order in which they occur in the lesson :

1. As soon as Mr. Singh wore the boots, he changed into a sparrow.
2. The sparrow remembered Polly's words, 'Now let us be men', and became Mr. Singh again.
3. The canary helped the sparrow to escape from the cage.
4. A boy caught the sparrow and sold it to another boy.
5. A watchman left a pair of high boots with Mr. Singh, the policeman.

Language Skill Practice

V. Complete the spellings :

pa**rr**o**t**, fl**u**ng, sp**a**rr**o**w, c**a**n**a**ry, m**o**m**e**nt, di**ff**er**e**nt.

VI. Match the words with their meanings :

noticed	saw
wondered	surprised
near	close
bent	bowed
flung	threw
put on	wore
fortunate	lucky
naughty	mischievous

Activity Time

VII. Make meaningful sentences by using the following phrases used in the text :

take off : An aeroplane is ready to **take off** from an airport.
put on : When it start raining, she **put on** her rain coat.
side by side : Rahul, play football in evening and **side by side** also learning and dancing.
as soon as : He arrived on station **as soon as** train reached on the platform.
at least : Mohan **at least** thank Raman for saving his life.
at once : At once teacher got up and left the classroom.

22. The Rainbow

हिन्दी अनुवाद

नावें नदियों पर चलती हैं,
और जहाज समुद्रों पर चलते हैं;
लेकिन बादल जो कि आसमान पर चलते हैं
इनसे अधिक सुन्दर हैं।
नदियों पर पुल हैं,
इतने सुन्दर होते हैं कि तुम खुश होते हो,

लेकिन इंद्रधनुष जो कि आकाश का पुल है,
और पेड़ों के बहुत ऊपर रहता है,
और पृथ्वी से आसमान तक एक रास्ता बनाता है,
इनसे अधिक सुन्दर है।

—क्रिस्टिना जॉर्जिना रोजेटी

Exercise

Comprehension

I. Choosethe most appropriate answer : (MCQs)
1. (c), **2.** (c), **3.** (c).

II. Cross (✗) the wrong word :
1. cloud, **2.** rainbow, **3.** seas.

III. Answer the following questions :
1. The boats sail on the rivers.
2. The ships sail on the seas.
3. The cloud sail across the sky.
4. The rainbow builds a road from the earth to the sky.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

brige	**bridge**	pratty	**pretty**	bueld	**build**
acros	**across**	aerth	**earth**	sael	**sail**
plaese	**please**	rever	**river**		

V. Match the words with their meanings :

sail	move
build	make
pretty	very beautiful
earth	world
road	path

Activity Time

VI. Fill in the blanks with the words given in the box below :
1. build, transport, **2.** sailing, ocean, **3.** rainbow, sky, pretty.

Half-Yearly Test Paper

(Based on Chapter 1-11)

I. Choose the most appropriate answer :
1. (c), **2.** (b), **3.** (c), **4.** (c), **5.** (c).

II. Fill in the blanks :
1. Moti Jheel, Kolkata, **2.** signs, **3.** alphabet, **4.** environment, **5.** Yugoslav.

III. Tick (✓) or (✗) against each sentence :
1. (✓), **2.** (✗), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (✗).

IV. Match the related words :

slum	dwellers
great	desire
living	conditions
poor	patients
comfortable	environment
very	sad
adequate	amount
noble	work

V. Answer the following questions :

1. According to the poet, a virtuous soul outlives the word as season'd timber outlives all types of weather.

2. Mother Teresa decided to leave the convent becaus she felt that she had no right to stay in comfortable environment while the people whom she served lived in utter poverty and misery.

3. The pictorial script was first discoverd in the tombs of Egyptian kings.

4. Jumman's father used to say that don't spare the rod and spoil the child and practised it in the case of his son Jumman.

5. Tagore believed that communalism is bad as it makes a country weak by dividing it along dogmatic lines.

VI. Correct the spellings :

hundrad	**hundred**	benefet	**benefit**
fist	**first**	feild	**field**
childern	**children**	parants	**parents**

VII. Complete the spellings :

p**r**is**o**n, op**p**o**s**e, de**a**th, po**w**er, peri**o**d, d**o**u**b**t, peo**pl**e, p**r**ob**l**em, aut**h**o**r**ity.

VIII. Crossword Puzzle :

	1 F	L	O	2 W	E	R					
				O				3 P			
		4 B		M			5 T	I	G	E	R
		R		A				N			
6 S	P	O	O	N				E			
I		O						A			
X		7 M	O	8 O				P			
				V				P			
				A				L			
9 S	U	N	G	L	A	S	S	E	S		

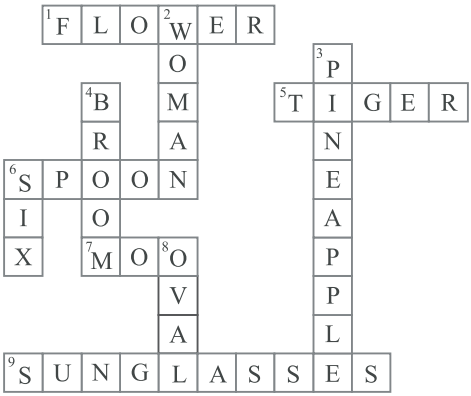

Put one letter in each box to solve this Crossword Puzzle.

Annual Test Paper

(Based on Chapter 12-21)

I. Choose the most appropriate answer :

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (a), 5 (b).

II. Fill in the blanks :

1. magnificent, **2.** rubbed, Genie, **3.** noble, **4.** accompany, **5.** exchanged.

III. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. (✗), **2.** (✗), **3.** (✗), **4.** (✓), **5.** (✗).

IV. Match the following :

learned person	scholar
conversing	talking
precious	valuable
fed up	tired
utterly	completely
frightened	afraid

V. Answer the following questions :

1. When the queen heard that Snow White has became a bride of a prince. She became so sad with jealousy that she took poison and committed suicide.

2. According to the scholar, Geography provides knowledge of continents, mountains and rivers and informs us about the sources of metals, spices, minerals and precious stones.

3. The earth and earthly things are left behind, when we leave for the city of God.

4. Issac Newton is considered as 'Father of Modern Science' because he found the law of gravity. He discovered many other laws of nature and did some important work in mathematics.

5. At the end of the day, they had big heap of soil dug out. The problem was to put away that soil.

VI. Correct the spellings :

jealus	**jealous**	daughtar	**daughter**
mirrar	**mirror**	coffen	**coffin**
sanceless	**senseless**	beauteful	**beautiful**

VII. Complete the spellings :

p**a**rr**o**t, f**l**u**n**g, s**p**ar**r**ow, c**a**na**r**y, m**o**m**e**nt, di**ffe**rent.

VIII. Crossword Puzzle :

Put one letter in each box to solve this crossword puzzle :

See Key Page No. 91.